सृजन

वार्षिक पत्रिका

2021 - 2022

शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय

नागदा, जिला-उज्जैन (म.प्र.)

✲ प्राचार्य एवं संरक्षक ✲
डॉ.पी.बी. रेड्डी

✲ मार्गदर्शक ✲
डॉ. सी.एम.मेहता

✲ सम्पादक मण्डल ✲

सम्पादक
वासुदेव जटावन

सह सम्पादक
डॉ. सीमा झेरवार

सदस्य
डॉ. आशाराम चौहान

✲ प्रकाशक ✲
प्राचार्य शासकीय कला विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, नागदा
जिला-उज्जैन (म.प्र.)

Web site : www.mphighereducation.nic.in/1806

e-mail : gc238238@yahoo.com

24 MP BATTALION NCC, RATLAM
GOVT. COLLEGE NAGDA

आयोजकः- शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

सृजन

वार्षिक पत्रिका

2021 - 2022

शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय

नागदा, जिला–उज्जैन (म.प्र.)

✲ प्राचार्य एवं संरक्षक ✲
डॉ.पी.बी. रेड्डी

✲ मार्गदर्शक ✲
डॉ. सी.एम.मेहता

✲ सम्पादक मण्डल ✲

सम्पादक
वासुदेव जटावन

सह सम्पादक
डॉ. सीमा झेरवार

सदस्य
डॉ. आशाराम चौहान

✲ प्रकाशक ✲
प्राचार्य शासकीय कला विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, नागदा
जिला–उज्जैन (म.प्र.)

Web site : www.mphighereducation.nic.in/1806

I

e-mail : gc238238@yahoo.com

सत्यमेव जयते

थावरचंद गेहलोत
THAAWARCHAND GEHLOT
Governor of Karnatak

''संदेश''

मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि शासकीय कला विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, नागदा, जिला–उज्जैन (म.प्र) द्वारा वार्षिक पत्रिका ''सृजन'' का प्रकाशन किया जा रहा है, जो अकादमिक और अन्य उपलब्धियों का दस्तावेजीकरण करती है और साथ ही छात्रों और कर्मचारियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति और कलात्मक प्रतिभा के लिए माध्यम प्रदान करता है।

मैं संपादकीय टीम, प्रबंधन और छात्रों की सफलता की कामना करता हूँ।

2.3.22

(थावरचंद गेहलोत)

Raj Bhavan, Bengaluru - 560001 (Karnataka) Ph. 080-22254102 -108

डॉ. मोहन यादव
मंत्री
उच्च शिक्षा विभाग
मध्यप्रदेश शासन

मंत्रालय : कक्ष क्र. E-216, VB-III
भोपाल – 462004
निवास : विध्य कोठी, भोपाल
दूरभाष : 0755–2430757, 2430457 (निवास)
0755–2708682 (मंत्रालय)
ई–मेल : mohan.yadav@mpvidhansabha.nic.in
drmyadavujn@gmail.com

पत्र क्र. A-8992/M122
दिनांक : 19/03/2022

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकार अत्यन्त प्रसन्नता हुई की शासकीय कला विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय नागदा की वार्षिक पत्रिका **'सृजन'** का प्रकाशन किया जा रहा है।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उनका सृजनात्मक होना अति आवश्यक है। हमारी नई शिक्षा नीति ने इस हेतू प्रोत्साहित करने पर बल एवं प्रावधान किया गया है। नवीन भारत, समर्थ भारत के निर्माण में नई शिक्षा नीति एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी।

मुझे विश्वास है कि वार्षिक पत्रिका **'सृजन'** अपने उद्देश्यों में सफल होगी। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

(डॉ. मोहन यादव)

अनिल फिरोजिया
सांसद (लोकसभा)
उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र

सत्यमेव जयते

निवास : 6, भक्तनगर, दशहरा मैदान, उज्जैन
मोबा. 8120003005
Email : ujjainmp22@gmail.com

क्रमांक

दिनांक 03/03/2022

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई है कि शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, नागदा महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका **"सृजन"** का प्रकाशन कर रहा है। इस पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों की ज्ञानपरक जानकारी प्राप्त होगी साथ ही विद्यार्थियों की रचनाधर्मिता को प्रोत्साहन मिलेगा। मुझे विश्वास है कि महाविद्यालय सतत विद्यार्थियों के ज्ञानवृद्धि के साथ एक अच्छा नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

मेरी ओर से **"सृजन"** पत्रिका के प्रकाशन के लिये हार्दिक शुभकामनाएँ।

अनिल फिरोजिया

प्रति,
डॉ. पी.बी. रेड्डी
प्राचार्य
शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय,
नागदा जिला उज्जैन

दिलीपसिंह गुर्जर
विधायक
नागदा-खाचरौद विधानसभा

4/1, रामसहाय मार्ग, नागदा जं.
जिला उज्जैन म.प्र. पिन 456335
फोन : 07366-245776, 244316
मो. 9752846101

क्रमांक : **4210/NAGDA**

दिनांक **14.03.2022**

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि स्वामी विवेकानंद शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय नागदा की वार्षिक पत्रिका 'सृजन' 2021–22 का प्रकाशन किया जा रहा है।

इस तरह की पत्रिकाओं के माध्यम से युवा प्रतिभाओं को अपनी सृजनात्मकता के लिए सार्थक अवसर प्राप्त होता है। मुझे आशा है कि इस पत्रिका के माध्यम से छात्र–छात्राओं की प्रतिभा के नवीन पक्ष उद्घाटित होंगें।

पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए मैं अपनी और से हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

भवदीय

दिलीपसिंह गुर्जर
विधायक

दिलीपसिंह शेखावत
पूर्व–विधायक
नागदा–खाचरौद, जिला–उज्जैन
पूर्व अध्यक्ष : म.प्र. ऊर्जा विकास निगम
(राज्यमंत्री दर्जा)

निवास–
मनोहर वाटिका, महिदपुर रोड़
नागदा जं. जिला–उज्जैन (म.प्र.)
मो. 94250–91435
96970–05555

शुभकामना संदेश

शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय नागदा द्वारा वार्षिक पत्रिका **'सृजन'** के प्रकाशन के सम्बंध में आपका पत्र प्राप्त हुआ।

पत्रिका द्वारा महाविद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी विद्यार्थियों के साथ–साथ अभिभावकों तक पहुँचाने का सतत् प्रयास सराहनीय है।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि पत्रिका **'सृजन'** के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मकता को सशक्त मंच उपलब्ध होगा और उनके लिए पत्रिका में ज्ञानवर्द्धक सामग्री का संकलन किया जाएगा।

पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

(दिलीपसिंह शेखावत)

प्रो. अखिलेश कुमार पाण्डेय
कुलपति
Prof. Akhilesh Kumar Pandey
Vice Chancellor

विक्रम विश्वविद्यालय
नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्रदत्त
उज्जैन (म.प्र.) 456010 भारत
दूरभाष : 0734-2514270 (कार्यालय)
: 0734-2511071 (निवास)
फेक्स : 0734-2514276

VIKRAM UNIVERSITY
Accredited 'A' Grade by NAAC
Ujjain - 456010 (M.P.) India
Phone : 0734-2514270 (Off.)
: 0734-2511071 (Res.)
Fax : 0734-2514276
E-mail : vcvikramujn@gmail.com
Website : www.vikramuniv.ac.in

क्रमांक : 57 / कुल. का. / 2022
दिनांक : 07.03.2022

सन्देश

मुझे यह जान कर अत्यन्त प्रसन्नता है कि शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, नागदा द्वारा महाविद्यालयीन वार्षिक पत्रिका के नवीन अंक **'सृजन'** का प्रकाशन किया जा रहा है। यह पत्रिका निश्चित ही महाविद्यालय के विद्यार्थियों की रचनाशीलता का विकास करने में सहायक सिद्ध होगी।

इस तरह की पत्रिकाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी सृजनात्मकता के लिए सार्थक अवसर प्राप्त होता है। मुझे आशा है कि इस पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रकट करने का समुचित अवसर उपलब्ध होगा।

मैं महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित होने जा रही पत्रिका **'सृजन'** के सफल प्रकाशन एवं महाविद्यालय के सर्वतोमुखी विकास के लिए अपनी समग्र शुभेच्छाएँ प्रेषित करता हूँ।

7/3/22

(प्रो. अखिलेश कुमार पाण्डेय)

शैलेन्द्र सिंह
आई.ए.एस.
अपर मुख्य सचिव

अ.शा.पत्र क्र.500/1150/22/38-2
मध्यप्रदेश शासन
उच्च शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन III द्वितीय तल, डी-विंग,
कक्ष क्रमांक-डी. 247, भोपाल - 462004
दूरभाष : (कार्या) 91-0755-2708640
ई-मेल : pshighedu@mp.gov.in

दिनांक : 17/3/22

शुभकामना संदेश

यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, नागदा जिला-उज्जैन की वार्षिक पत्रिका "सृजन" 2021-22 का प्रकाशन किया जा रहा है।

अकादमिक उपलब्धियों और विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा व संवेदना की अभिव्यक्ति के लिए वार्षिक पत्रिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। आपकी पत्रिका के प्रकाशन के लिए मैं अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

(शैलेन्द्र सिंह)

कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश शासन
सतपुड़ा भवन, भोपाल-462004

दीपक सिंह
आई.ए.एस.
आयुक्त

अर्द्ध शासकीय पत्र क्र. 41/[illegible]
दूरभाष कार्यालय : 0755-2559980,2551574
ई-मेल : he.addldirector@mp.gov.in
भोपाल, दिनांक : 8/3/2022

//शुभकामना संदेश//

महाविद्यायीन पत्रिकाएँ किसी भी महाविद्यालय के सदस्यों, इनके कियाकलापों का जीवंत अभिलेख होती हैं। महाविद्यालय के संदर्भ में यह और अधिक महत्वपूर्ण होकर विद्यार्थियों की साहित्यिक प्रतिभा को अवसर देने का सशक्त मंच सिद्ध होती हैं। आपका पत्रिका प्रकाशन का प्रयास निसंदेह महाविद्यालयीन छात्र–छात्राओं की लेखन प्रतिभा प्रदर्शन का माध्यम बनेगा।

"सृजन" अपने उद्देश्यों में सफल हो, आपकी संस्था के कार्य जन–जन तक पहुंचे और रचनाधार्मिता का विकास हो,यही मेरी ओर से शुभकामनाएँ हैं।

(दीपक सिंह)IAS
आयुक्त,
उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश

प्रति,
डा पी बी रेड्डी,
प्राचार्य,
शासकीय कला विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय,
नागदा जिला उज्जैन (मध्यप्रदेश)

आशीष सिंह
आई.ए.एस.
कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी
जिला–उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष : (का.) 0734-2514000 (नि.) 0734-2513000
फेक्स : 0734-2510878 मोबा. 8989140770
ई-मेल : dmujjain@mp.nic.in

अ.शा.पत्र क्रमांक :
उज्जैन, दिनांक : 08/08/2022

संदेश

मुझे यह जानकार अत्यंत प्रसन्नता है कि आपके महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका "सृजन" का प्रकाशन किया जा रहा है, जिसमें विद्यार्थियों की वार्षिक शैक्षणिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेल गतिविधियों का भी समावेश किया जायेगा, जो पाठकों के लिये प्रेरणादायी सिद्ध होंगे।

मैं महाविद्यालयीन वार्षिक पत्रिका "सृजन' के प्रकाशन की सफलता एवं संस्थान की प्रगति के लिये अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

भवदीय,

(आशीष सिंह)

प्रति,
प्राचार्य,
शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य,
महाविद्यालय, नागदा,
जिला उज्जैन

डॉ. आर.सी. जाटवा
अतिरिक्त संचालक
उच्च शिक्षा, उज्जैन संभाग
उज्जैन, (म.म.)

//शुभकामना संदेश//

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, नागदा जिला उज्जैन द्वारा वार्षिक पत्रिका **''सृजन''** सत्र् 2021–22 का प्रकाशन किया जा रहा है। जिसमें विद्यार्थियों की रचनाओं तथा महाविद्यालय की वार्षिक गतिविधियों का समावेश होगा, जिससे छात्र/छात्राओं में नई शक्ति का संचार होगा। **''सृजन''**पत्रिका विद्यार्थियों में नवीन सृजनात्मकता को पैदा करने में सहायक सिद्ध होगी।

सृजन पत्रिका अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल हो इसके लिए मैं बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

(डॉ. आर.सी. जाटवा)

आशुतोष गोस्वामी
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नागदा
एवं अध्यक्ष जनभागीदारी समिति शासकीय कला, विज्ञान
एवं वाणिज्य महाविद्यालय नागदा जिला उज्जैन

पत्र क्रमांक / / 2022 दिनांक : 10 / 03 / 2022

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय नागदा द्वारा वार्षिक पत्रिका ''सृजन'' का प्रकाशन किया जा रहा है।

इस तरह की पत्रिकाओं के माध्यम से युवा प्रतिभाओं को अपनी सृजनात्मकता के लिए सार्थक अवसर प्राप्त होता है। मुझे आशा है कि इस पत्रिका के माध्यम से छात्र–छात्राओं की प्रतिभा के नवीन पक्ष उद्घटित होंगे।

पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए मैं अपनी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

(आशुतोष गोस्वामी)

प्राचार्य की कलम से

डॉ. पी.बी. रेड्डी
प्राचार्य

"हम ऐसी शिक्षा चाहते हैं जिससे चरित्र का निर्माण हो, मन की शक्ति बढ़े, बुद्धि का विस्तार हो, और जिससे व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा हो सके"
—स्वामी विवेकानंद

अभिवादन !

COVID-19 के कारण यह शैक्षणिक वर्ष एक असाधारण चुनौती रहा है। हालांकि, महामारी ने दुनिया भर में उच्च शिक्षा के लिए रणनीतियों पर पुनर्विचार और पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर दिया। संकट के समय को रचनात्मकता, परिवर्तन और नवीनीकरण को प्रेरित किया है। नए सामान्य में चुनौती एक मजबूत और टिकाऊ भविष्य के लिए कॉलेज को अनुकूलित करने, पुनर्जीवित करने और स्थिति देने की है।

एक जीवंत और गतिशील शैक्षणिक माहौल के लिए प्रयास करना एक संपूर्ण और समग्र अभ्यास है। यह महाविद्यालय की गुणात्मक प्रक्रियाओं में छात्रों के एकीकरण का आह्वान करता है। विभिन्न कार्यक्रमों में छात्रों के कौशल को सुधारने के लिए उन्हें समाज के उल्लेखनीय परिवर्तनकर्ता बनने के लिए महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ निरंतर प्रयासरत है। इसका उद्देश्य शिक्षण को एक बहु – विषयक दृष्टिकोण के माध्यम से एक समृद्ध पूर्ण और आनंददायक अनुभव बनाना है, जो अध्यापन में सिद्धांत और व्यवहार का संयोजन करता है ।

मैं महाविद्यालय पत्रिका के लिए अपने शब्दों को कलमबद्ध करने के लिए अभिभूत हूं। यह **शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय नागदा, जिला उज्जैन (म.प्र.)** के लिए मेरा पहला संदेश है। मेरा विश्वास है कि इस महाविद्यालय में कुछ ही वर्षों के बाद अपने अच्छे छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ निकट भविष्य में मील के पत्थर स्थापित करने जा रहा है। वर्तमान परिदृष्य में, महामारी (कोविड–19) के कारण इस संस्थान ने विभिन्न संचार उपकरणो, कंम्प्यूटरों और संबंधित क्षेत्र आदि पर आनलाईन कक्षाएं नियमित रूप से आयोजित किया गया है, इस संस्थान के द्वारा विकसित किया गया ई – लर्निंग प्लेटफार्म ट्यूटोरियल, वीडिओ व्याख्यान अन्य अध्ययन सामग्री YouTube और अन्य गतिविधियों की जानकारी महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। महाविद्यालय की वेबसाइट का अपडेशन निरंतर किया जाता है एवम वर्तमान में हमारे महाविद्यालय की वेबसाइट राज्य में टॉप 10 में दर्ज है। हमें पर्यावरण के प्रति जागरूक संस्था होने पर भी गर्व है । हम Reduce, Re-Use and Re cycle के कार्डिनल सिद्धांत का पालन करते हैं। हम अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए कई पहल कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

महाविद्यालय पत्रिका का प्रत्येक अंक एक मील का पत्थर है जो हमारी वृद्धि को दर्शाता है, हमारी कल्पनाओं को उजागर करता है, और हमारे विचारों और आकांक्षाओं को जीवन देता है। यह रचनात्मक कौशल के व्यापक स्पेक्ट्रम को लिखने से लेकर संपादन तक और यहां तक कि पत्रिका को डिजाइन करने में भी शामिल है। मैं छात्रों, अभिभावकों और संपूर्ण संपादकीय टीम को इस सपने को सच करने के लिए उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई देता हूं। मैं इस अवसर पर आप सभी से "स्वच्छ भारत मिशन" एवं "आत्मनिर्भर भारत" का हिस्सा बनने का अनुरोध करता हूँ। कृपया स्वच्छता बनाए रखें, स्वच्छता को हमारी आदत का हिस्सा बनाएं।

अंत में, मैं भारतीय सैनिकों, वास्तविक नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं
जो" हमारे सिर ऊंचा रखते हैं और बिना किसी डर के अपने जीवन का बलिदान करते हैं ।
"भारतीय होने पर गर्व महसूस करते हैं ।

जय हिन्द जय भारत

(डॉ. पी.बी. रेड्डी)

सम्पादकीय

प्रिय विद्यार्थियों.....

जैसा की हम सभी को भलीभाँती पता है कि कोविड–19 संक्रमण के कारण हमारे देश एवं विदेश की सम्पूर्ण राजनैतिक, सांस्कृतिक व आर्थिक गतिविधियाँ पूर्णतया बन्द हो गई थी किन्तु हर्ष का विषय है कि धीरे–धीरे अब सभी गतिविधियाँ शुरू हो गई है। इसी तारतम्य में हमारे महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका **'सृजन'** प्रकाशित करने का निर्णय हमारे महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ.पी.बी. रेड्डी ने लिया तथा सम्पादक मण्डल को पत्रिका के प्रकाशन का दायित्व सौपा।

पत्रिका किसी भी संस्था का दर्पण होता है। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को महाविद्यालय में होने वाली विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया जाता है। विद्यार्थियों को महाविद्यालय से जोडे रखने के लिए महाविद्यालय में कई प्रकार की सृजनशीलता, रचनात्मकता, व्यक्तित्व विकास, शैक्षणिक गतिविधियाँ एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाता है, इनमें विद्यार्थियों की सहभागिता को प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु महाविद्यालय की पत्रिका की अहम भूमिका होती है।

इतिहास में कई ऐसे उदाहरण प्रस्तुत है कि जो हमें सिखाते है कि मनुष्य की छोटी–छोटी कोशिशे ही एक दिन बड़े आविष्कार को जन्म देती है। पत्रिका का प्रकाशन महाविद्यालय के विद्यार्थियों को भविष्य में श्रेष्ठ रचनाकार, साहित्यकार के रूप में उकेरेगी। सृजन पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं से विद्यार्थियों को शैक्षणिक, रचनात्मक, ज्ञानवर्धक जानकारी प्राप्त होगी, जिससे निश्चित रूप से सभी पाठक / विद्यार्थी लाभांवित होंगे ।

अन्त में मैं सभी सहयोगियों एवं सभी रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने अपनी रचना धर्मिता से इस पत्रिका के इस अंक को सजाया – संवारा है। ऐसी आशा है कि भविष्य में भी आपकी रचनात्मक सार्थकता बनी रहे। पत्रिका को और अधिक उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बनाने हेतु आपके बहुमुल्य सुझावों का स्वागत है ।

वासुदेव जटावन
सम्पादक

सम्पादक – मण्डल

डॉ.पी.बी. रेड्डी
प्राचार्य एवं संरक्षक

डॉ.सी.एम. मेहता
मार्गदर्शक

वासुदेव जटावन
सम्पादक

डॉ. सीमा झेरवार
सह सम्पादक

डॉ. आशाराम चौहान
सदस्य

अनुक्रमणिका

01	प्राचार्य की कलम से	डॉ.पी.बी रेड्डी	01
02	सम्पादकीय	वासुदेव जटावन	02
03	अनुक्रमणिका		
लेख, आलेख, कविता, खण्ड			03
04	सतत अभ्यास सफलता का विश्वास	डॉ.सी.एम. मेहता	04
05	भारतीय राजनीति में लैंगिक मुद्दे	प्रो. पूजा शर्मा	05–06
06	वर्तमान परिपेक्ष में घटते जीवन मूल्य	डॉ. उषा वर्मा	07
07	प्रेरक अनमोल वचन (संकलित)	वासुदेव जटावन	08
08	गुरू की महिमा, मुस्कुराना चाहिए	हरचरण सिंह चावला	09
09	कवियत्री का घर	गोपाल कन्डारे	10
10.	प्रकृति हमारी माँ है	योगेन्द्र सिंह डोडिया	11
11.	हमारे जीवन में शिक्षक का महत्व और मेरी प्रिय शिक्षिका	नरेश मीणा	12–13
12.	दलितो के मसीहा डॉ. भीमराव अंबेडकर	सुहाना पंवार	14
13.	नारी की महत्वता	भीमराज सिंह	15
14.	आत्मानुशासन	लक्ष्मी मीणा	16
15.	कोशिश कर	संजना पोरवाल	17
16.	वो पुराना चरित्र	माया कुंवर	18
17.	आया बसन्त	माया कुंवर	19
18.	हमारा प्यारा देश	भावेश मरमट	20
19.	जान है तो जहाँन है	योगेन्द्र सिंह डोडिया	21
प्रतिवेदन खण्ड			
20.	वाणिज्य विभाग प्रतिवेदन	डॉ. सी.एम. मेहता	22
21.	गाँव की बेटी / प्रतिभा किरण प्रतिवेदन	सी.एल. डोडिया	23
22.	छात्रवृत्ति प्रतिवेदन	डॉ. वीणा पारीक	24
23.	रा.से.यो. नियमित गतिविधि प्रतिवेदन	प्रो. उषा यादव	25–26
24.	विभिन्न गतिविधियों की चित्रमय झलकियाँ		27–28
25.	स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन	प्रो. पूजा शर्मा	29–32
26.	सांस्कृतिक एवं युवा उत्सव प्रतिवेदन	प्रो. उषा यादव	33
27.	क्रिड़ा विभाग प्रतिवेदन	डॉ. कृष्णपालसिंह नरूका	34
28.	ग्रंन्थालय प्रतिवेदन	वासुदेव जटावन	35
29.	एन.सी.सी प्रतिवेदन	लेटिनेंट डॉ. के.सी. मिश्रा	36
30.	समाचार पत्रों के झरोखे से		37–38
31.	महाविद्यालय परिवार		39
32.	कृतज्ञता	वासुदेव जटावन सम्पादक	40

सतत् अभ्यास सफलता का विश्वास

डॉ.सी.एम. मेहता
प्राध्यापक वाणिज्य

सतत् अभ्यास का मानव जीवन में अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। अभ्यास के माध्यम से बड़े से बड़ा कार्य सम्पन्न हो सकता है । सतत् अग्रसर हमें निरन्तरता की ओर अग्रसर करता है।

सही रूप से एक निश्चित लक्ष्य पाने के लिए अभ्यास की अत्यन्त आवश्यकता है। महापण्डित पाविनी ने अभ्यास को ही अपना मूलमंत्र बनाया जबकि उनके गुरू ने उन्हें जड़मति कहकर गुरुकुल से विदा कर दिया था । किन्तु मार्ग में कुएँ की मुंडेर पर रस्सी के बने निशान देखकर उससे प्रेरणा ली और शिक्षा क्षेत्र में व्याकरण ग्रंथ की रचना कर उच्चता प्राप्त की । वहीं एकलव्य ने गुरु द्रोणाचार्य की मूर्ति से प्रेरणा लेकर अभ्यास के द्वारा अपना नाम अमर कर दिया । कहा गया है – " करत–करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान" भाव यह है कि अभ्यास के माध्यम से हम किसी भी कार्य में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

यहाँ तक की कुछ–कुछ व्यक्ति नारी को अबला मानते हैं वहीं बछेन्द्री पाल जैसी योग्य महिला ने पर्वत पर ध्वज फहराकर गौरव हासिल कर नारी जीवन की पराकाष्ठा पर बल दिया है। अभ्यास द्वारा लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त किया जा सकता है ।

न केवल सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्र में वरन आध्यात्मिक क्षेत्र में भी अभ्यास की महिमा का गुणगान किया है । वाल्मिकी जी राम–राम रटकर एक डाकू से संत बन गये । और महाग्रन्थ रामायण की रचना कर डाली। यह भी अभ्यास का ही परिणाम है ।

दृढ़ निश्चय, एकाग्रता से किये गये प्रयास एवं अभ्यास के माध्यम से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। अभ्यास व्यक्ति का आत्मबल बढाता है जो हमें स्वाधीनता से जीना सिखाता है। उद्देश्य – प्राप्ति चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हो किन्तु अभ्यास के माध्यम से हम शीघ्र एवं सतत् रूप में प्राप्त कर सकते हैं ।

अभ्यास द्वारा प्राप्त किया गया लक्ष्य मन को एक अनूठी शांति देता है। समय का वर्गीकरण सही रूप से करके एक निश्चित रूपरेखा से अभ्यास हमें दूरगामी लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होता है। एकाग्रता का सतत अभ्यास – पद्धति में होना अत्यन्त आवश्यक है। इसके अभाव में अभ्यास सही से नहीं हो पाता ।

अभ्यास द्वारा प्राप्त की गयी सफलता हमें निरन्तर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है । अभ्यास जीवन का महत्वपूर्ण पायदान है। जिसके द्वारा हम किसी भी लक्ष्य को सहज की प्राप्त कर सकते हैं ।

शब्दों की ताकत को कभी कम मत आँकिऐं
एक छोटा सा हाँ और एक छोटी से ना
पूरा जीवन बदल कर रख देती है।

भारतीय राजनीति में लैंगिक मुद्दे

प्रो. पूजा शर्मा
सहायक प्राध्यापक राजनीतिशास्त्र

प्राचीन काल में महिलाओं और पुरुषों की स्थिति सामान्य थी परंतु उत्तर वैदिक काल के पश्चात भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति में उत्तरोत्तर नकारात्मक परिवर्तन आया ।

पितृसत्तात्मकता व पुरुष प्रधान समाज की मानसिकता से ग्रस्त समाज में हो रहे इस परिवर्तन का प्रभाव महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर भी पड़ा। राजनीतिक क्षेत्र में भी उनकी सहभागिता में तीव्र गिरावट आई। विभिन्न महिला विरोधी सामाजिक कुरीतियों ने महिलाओं को न केवल राजनीतिक व सामाजिक सहभागिता से वंचित किया अपितु उनके आत्मसम्मान पर भी चोट की । 19 वीं सदी में विभिन्न सामाजिक सुधार आंदोलनों ने महिलाओं के इन मुद्दों को उठाया । राजा राममोहन राय, दयानंद सरस्वती व ईश्वर चंद्र विद्यासागर जैसे समाज सुधारकों ने महिलाओं के विभिन्न मुद्दे यथा सती प्रथा, विधवा विवाह, बाल विवाह व महिला शिक्षा जैसे मुद्दों पर आवाज उठाई। सामाजिक सुधार आंदोलनों से महिलाओं के मुद्दों को राजनीति की मुख्यधारा में शामिल करने की पृष्ठभूमि तैयार हुई। स्वतंत्रता संग्राम में भी महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। एनी बेसेंट, शारदा बेन मेहता, सरोजिनी नायडू, कमलादेवी चट्टोपाध्याय व अबू बेकम जैसी महिलाओं ने महिला आंदोलन की नींव रखी इनके द्वारा महिलाओं को राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने पर जोर दिया गया । वर्ष 1927 में मार्गरेट कजस द्वारा अखिल भारतीय महिला संघ की स्थापना की गई। अखिल भारतीय महिला संघ के उद्देश्यों में महिलाओं को राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व दिलाना तथा विभिन्न महिला विरोधी कुरीतियों के खिलाफ अभियान चलाना शामिल था ।

स्वतंत्रता आंदोलन में भी महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस दिशा में महात्मा गांधी के प्रयास भी उल्लेखनीय रहे। बीना मजूमदार के अनुसार, भारतीय नारी की अप्रयुक्त शक्ति को जगाना गांधीजी का अनोखा योगदान था। सुभाष चंद्र बोस द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए महिला राष्ट्रीय संघ की स्थापना की गई। स्वतंत्रता पूर्व युग की इस महिला राजनीति की मुख्य विशेषताओं में इन आदोलनों का नेतृत्व मुख्य रूप से समाज सुधारक पुरुषों द्वारा किया जाना शामिल था। साथ ही यह महिला आंदोलन राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के अभिन्न भाग थे। इन आंदोलनों में बाल विवाह, शक्ति प्रथा, विधवा विवाह, महिला शिक्षा, दहेज प्रथा, पर्दा प्रथा जैसे मुद्दे शामिल थे।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद महिलाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों के लिए संवैधानिक प्रावधान भी किए गए। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15 (3) में महिलाओं को संरक्षण प्रदान किया गया है । नीति निदेशक तत्वों के अनुच्छेद 39 (अ) के अनुसार स्त्री और पुरुष दोनों को रोजगार के समानता का प्रावधान किया गया है । 73 वें व 74 वें संविधान संशोधन के द्वारा महिलाओं को पंचायतों में एक तिहाई स्थानों पर आरक्षण प्रदान किया गया है जिसे वर्तमान में 50% कर दिया गया है। महिलाओं की दशा में सुधार व उनके उत्थान के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग की स्थापना 1992 में की गई । राज्यों में राज्य महिला आयोग भी गठित किए गए हैं। बीना मजूमदार के अनुसार, संविधान में लैंगिक समानता अपना लेने से महिलाओं के अपनी स्वतंत्र पहचान का सपना पूरा हुआ है ।

1970 के दशक में लैंगिक मुद्दों में परिवर्तन आया 1971 में महिलाओं की स्थिति की जांच के लिए समिति की स्थापना हुई जिसने अपने रिपोर्ट Towards Equality "1974 प्रकाशित की । इस रिपोर्ट में भी

भारत में घटते लिंगानुपात व महिलाओं को पंचायतों में आरक्षण प्रदान करने का समर्थन किया गया। इस समय के लैंगिक मुद्दों पर आंदोलन में सकारात्मक पहलू यह था कि इस बार इसका नेतृत्व महिलाओं के द्वारा किया गया तथा इसमें नवीन मुद्दे व क्षेत्रीय आधार पर व्याप्त समस्याओं पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। साथ ही इसमें महिला हिंसा के विरुद्ध व्यापक अभियान भी शामिल किए गए। महिलाओं को व्यापक स्तर पर प्रभावित करने वाले गरीबी, अशिक्षा और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को भी महिला आंदोलन में प्राथमिकता दी गई। 1972 में इला भट्ट नामक महिला द्वारा सेवा संस्थान की स्थापना की गई । महिला आंदोलनों के मुद्दों को इस समय अंतर्राष्ट्रीय समर्थन मिला तथा 1975 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा पहली बार अंतर्राष्ट्रीय महिला वर्ष मनाया गया ।

1980 के दशक में महिला आंदोलन में समानता के बजाय महिलाओं की विशिष्ट पहचान बनाने पर बल दिया गया ताकि महिलाओं के विशेष मुद्दों को उठाया जा सके। इस दशक में स्वास्थ्य, परिवार नियोजन व बाल विकास जैसे नारीवादी मुद्दे उठाए जाने लगे। महिलाओं के विरुद्ध हिंसा अभी भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ था। महिला आंदोलन के प्रत्युत्तर में सरकार ने महिलाओं के लिए अनेक महत्वपूर्ण कानूनों का निर्माण किया। महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को अपराध माना गया तथा पुलिस द्वारा बाध्यकारी रूप से केस दर्ज करने का प्रावधान किया गया। महिलाओं के दहेज विरोधी मंच की मांग के चलते सरकार ने दहेज कानून में भी परिवर्तन किए । रूप कंवर सती केस के विरुद्ध समूचे भारत में महिलाओं ने व्यापक आंदोलन चलाया जिसके फलस्वरूप सरकार ने सती निरोधक कानून 1987 पारित किया। इसी दशक में महिला आंदोलन में विभाजन भी दृष्टिगोचर हुआ। पिछड़ी जातियों में दलित महिलाओं के द्वारा अपने हितों की अभिव्यक्ति करते हुए यह आवाज बुलंद की गई कि उनके हित ऊंची जातियों की महिलाओं से अलग है ।

1990 के बाद महिला आंदोलन में बलात्कार, यौन दुराग्रह, घरेलू हिंसा, हानिकारक गर्भनिरोधक तकनीक, स्वास्थ्य नीति के प्रभाव जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण बन गए हैं । 1997 में विशाखा बाद में उच्चत्तम न्यायालय ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए। इसके बाद कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से सुरक्षा हेतु भारत सरकार द्वारा भी कानून बनाया गया। महिलाओं की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र आयोग ने भी सुझाव दिया था कि निर्णय लेने वाली सभी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए। वर्तमान समय में महिला संगठनों द्वारा संसद में महिलाओं के आरक्षण की मांग का मुद्दा अत्यंत प्रभावी रूप से उठाया जा रहा है। महिलाओं को संसद व विधान मंडलों में एक तिहाई आरक्षण देने के लिए विधेयक कई बार संसद में पेश किया जा चुका है परंतु यह अभी तक पारित नहीं हो पाया है। 1992 में पारित 73 वें संविधान संसोधन और 74 वे संविधान संसोधन द्वारा महिलाओं को स्थानीय स्वशासन संस्थाओं में एक तिहाई आरक्षण प्रदान किया गया । वर्तमान में अधिकांश राज्यों में यह सीमा बढ़ाकर 50% कर दी गई है ।

नये विचारों के ''सृजन'' के लिए व्यक्तियों के मध्य विचारों में भिन्नता का होना पूर्वाकांक्षित है।

वर्तमान परिपेक्ष में घटते जीवन मूल्य

डॉ उषा वर्मा (बगेडिया)
अतिथि विद्वान हिंदी

मानव एक सामाजिक प्राणी है और समाज ने मनुष्य के लिए कुछ मूल्य तय किए है, हमें उसी के अनुसार जीवन यापन करना पड़ता है । यदि कोई भी व्यक्ति मूल्य के अनुरूप नहीं चलता है तो समाज उसे स्वीकार नहीं करता । आधुनिकता के कारण मनुष्य अपने मूल्यों को खोता जा रहा है। आधुनिकता और मशीनरी ने हमें विलासिता और सुविधा तो प्रदान की है , लेकिन साथ ही हमारे मूल्य कहीं पीछे छूटता जा रहे हैं, खंडित होते रहे हैं। व्यक्ति अकेला घुटन भरी जिंदगी जी रहा है। शिक्षा ने जहां रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए है, वहीं गांव और शहर की दूरी में एक परिवार, परिवार से अलगाव, स्वार्थता, धन लोलुपता, निजता की धुन को जन्म दिया है। यही आत्मीय रिश्ते भी बोने होते चले गए रिश्तों के टूटने से आम आदमी अकेलापन, खालीपन, टूटन और तनाव का अनुभव करने लगा।

आधुनिकता ने रिश्तों के मायने बदल दिए, और सामाजिकता खत्म होती जा रही है। आज के युग में पति – पत्नी के संबंधों में सबसे बड़ा परिवर्तन आया है और यह है एक दूसरे पर एकाधिकार आज के परंपरागत मूल्य शिथिल होते जा रहे हैं । पहले की तरह पुरुष जरा से संदेह पर घर में तूफान खड़ा कर देता, पर आज व्यक्ति संशय की दृष्टि के मध्य भी सहज भाव से जीने का प्रयास करता है। पुरुष प्रधान देश में जहां नारी शिक्षा से नारी की स्थिति में परिवर्तन आया है पहले वह घर की चारदीवारी में बंद थी अब वह पुरुष के कंधे से कंधा मिलाकर हर ऊंचा पद हासिल कर रही हैं। आज वह सिर्फ पति को परमेश्वर बनाकर पूछते नहीं और ना ही उसके जुल्म अत्याचार चुपचाप सहती है बल्कि उसका विरोध भी करती है। नारी शिक्षित होकर चाँद तक पहुंच चुकी हैं लेकिन आधुनिकता ने उसकी स्थिति पहले से भी बदतर कर दी है। आधुनिकता से सामाजिक, पारिवारिक ढांचा चरमरा गया है। इन नई परिस्थितियों में पीढ़ियों का संघर्ष स्वाभाविक है। नई पीढ़ी पुरानी पीढ़ी से असहयोग कर उठी।

रिश्तों के बीच इस अलगाव कुंठा, संत्रास का एक कारण अर्थ व बिगड़ती राजनीतिक व्यवस्था भी है। आज अर्थ सबसे महत्वपूर्ण हो चुका है और यह खुद ऊपर चढ़ने के लिए आगे वाले को पीछे धकेल रहा है। इसी से समाज में चोरी, कालाबाजारी, लूट, भाई भतीजावाद, भ्रष्टाचार व्याप्त हो रहा है। यह आगे बढ़ने की चाहे मूल्य विघटन का कारण बन रही पहले गांवों में सभी से हमारे घनिष्ठ संबंध होते थे। गांव का हर व्यक्ति काका, मामा का रिश्ता बनाए रखता था, मान मर्यादा संस्कार बनाए रखता था। किसी एक घर की लड़की, बहु सारे गांव की बहू हुआ करती थी। लेकिन आज हम अपने सगे रिश्तों पर विश्वास नहीं कर सकते। सारे मूल्य कहीं अंधेरी कोठरी में बंद कर दिए हैं।

विज्ञान के इस युग में हमारे जीवन स्तर को ऊंचा तो उठाया है लेकिन हमारे जीवन मूल्यों को कहीं दूर खाई में दबोच दिया है। आज सारे रिश्ते नाते खोखले हो गए हैं हर नाता झूठा कच्चा हो गया। गुरु हमें ज्ञान प्रदान करता है जीवन को ज्ञान की रोशनी से जगमगाता है। आज का युवा उसी गुरु को गुरु दक्षिणा तो दे नहीं सकता बल्कि उसकी जान लेने लगा। आज का युवा यह नहीं जानता कि उसे क्या करना है या वह क्या कर रहा है ? आधुनिकता की अंधी दौड़ में बस आगे निकलना चाहता है । किसी भी कीमत पर हम इस मूल्य विघटन को रोक सके, क्या परिवर्तन लाया जाए कि हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक, नैतिक मूल्यों को बचाया जा सकें परिवर्तन कोई जादू का काम तो नहीं है। जादू की छड़ी घुमाई और परिवर्तन आ गया। इसके लिए सतत् प्रयास करने होंगे। इसकी शुरुआत घर से ही करनी होगी। घर में हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों को जागृत करना होगा क्योंकि धन बाद में है, भावनात्मक लगाव पहले है। परिवार में एकता अखंडता रहे ताकि देश की एकता अखंडता बनी रहे ।

प्रेरक अनमोल वचन (संकलित)

वासुदेव जटावन
ग्रन्थपाल

शिक्षा आपकी सबसे अच्छी दोस्त साबित हो सकती है।
जो हर मुसीबत में अकेले होने पर भी आपको अकेला नहीं होने देती।

कामयाबी पाने के लिए तीन चीजे जरूरी होती है
सही समय, सही तरीका, और सही सोच।

जीवन में लक्ष्य का होना बहुत जरूरी है,
बिना लक्ष्य के जिन्दगी अर्थविहीन है।

उस इंसान से कभी झूठ मत बोलिये जिसे आपके झूठ पर विश्वास हो

कागजो को जोड़े रखने वाली पिन ही कागजों को चुभती है
उसी प्रकार जो व्यक्ति परिवार को जोड़े रखता है
वही परिवार को चुभता है।

जीवन में कभी हार न मानो क्या पता आपकी अगली कोशिश
ही आपको कामयाबी की और ले जाए ।

भाषाओं का अनुवाद हो सकता है
भावनाओं का नहीं, इन्हें समझना पड़ता है।

अपने अंदर के ड़र को आज ही खत्म कर दो
वरना कल यही ड़र आपको खत्म कर देगा।

गुरु की महिमा

हरचरण सिंह चावला
प्रभारी मुख्य लिपिक
शासकीय महाविद्यालय, नागदा

आज के आधुनिक वैज्ञानिक युग की प्रतिस्पर्धा के साथ अगर हम नहीं चले तो हम निश्चित रूप से आर्थिक, राजनीतिक व सामाजिक हर मामले की दौड़ मे हम पीछे रह जायेंगे, पर इसका आशय यह कतई नहीं है कि हम इस वैज्ञानिक युग की प्रतिस्पर्धा के साथ रह कर अपनी सभ्य संस्कृति को ही भूल जाये हमारे देश की भूमि पर अनेकों महापुरूषों ने जन्म ले कर इस देश की धरा को पावन पवित्र किया और उनके द्वारा चलाई गयी संस्कृति पूरे विश्व में समाज की कुरीतियों से दुर रहने का संदेश आज के आधुनिक युग में भी दे रही है ।

आज के समय में कई ऐसे गुगल गुरू साधन हो गये है जिसके कारण हम हमारी समस्या का हल तो निकाल लेते है पर हमारे पास इस बात का कोई पैमाना नही है कि हमारा किया हुआ हल सही है या गलत । अब बात ये आती है कि हमने किसी बलवान या धनवान परिवार में जन्म लिया और अपनी बलवानता और धनवानता पर ही निर्भर होकर जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करने की कोशिश करे, तो हम नहीं कर सकते हमारी बलवानता और धनवानता हमारा लक्ष्य भटका सकती है और लोग हमे जीवन रूपी खेल से बाहर कर देगे जीवन रूपी खेल हमे कैसे जीतना है इसके लिये हमे किसी गुरू के सानिध्य मे बैठकर जीवन रूपी खेल को जीतने के दॉव पैच सीखना पडेंगे और जिसने भी गुरू के सानिध्य और छाया में जीवन पाया वो कभी भी असफल नहीं हुआ और जो चाहा है वो पाया है ।

और अन्त में केवल इतना ही, पारस की शरण मे आ कर लोहा सोना बनता है और गुरू की शरण में आने से हर एक पारस हो जाता है ।

मुस्कुराना चाहिये

आदमी को आदमी के काम आना चाहिये
कष्ट सहकर भी नित मुस्कुराना चाहिये ।
हर तरफ है माँ भारती का ही जलवा
गीत गजल उसी के नाम होनी चाहिये
आदमी को आदमी के .....
माँ छोड दूसरे के भरोसे सफर हरगिज नही कटेगा
मोका जब मिले उस माँ के ही गीत गाना चाहिये ।
आदमी को आदमी के.....
मन की कटुता जगत में अब बढ़ती जा रही
प्यार की गंगा सभी को प्रतिपल बहाना चाहिये
आदमी को आदमी के.....
बट चुके है बिक चुके है भाषाओं के नाम पर
आपसी सौहार्द का हिन्दुस्तान बनाना चाहिये
आदमी को आदमी के .....

कवियत्री का घर

गोपाल कन्डारे
प्रयो. परिचाएक
शा. महाविद्यालय, नागदा

बेटा आरती आरती
जी पिताजी
जरा तुम्हारी मां भारतीय को बुलाना
पिताजी मां तो घर पर नहीं है
घर पर नहीं है मतलब
पिताजी मां तो कवि सम्मेलन में गई है
क्या कवि सम्मेलन में
ओ माय गॉड ये भारतीय भी ना
कुछ भी नहीं समझती
कितनी बार समझाया कि भारतीय
कवि सम्मेलन तुम्हारे बस की बात नहीं
तुम इन कवियों को नहीं जानती
तुम ठहरी सीधी–सादी भारतीय कवियित्री
जो केवल अपने देश के बारे में ही लिखती हो
और ये ठहरे देश विदेश घूमने वाले कवि
जो कुछ भी उल्टा सीधा लिख कर बोलते रहते हैं
अपनी मर्यादा को ताक पर रखकर
अच्छा बेटे पूजा कहां है
पिताजी मंदिर में
पिताजी पानी लाऊं
हां ले आओ
अच्छा आरती
तुम्हारी मां झोला कौन सा ले गई है
पिताजी वही तीन रंग वाला 'तिरंगा' और डायरी
वहीं भारत के मानचित्र वाली
अच्छा आरती एक काम करो
जरा वह कवि वाला पर्चा देखो तो
कवि सम्मेलन में कौन–कौन आ रहा है
पिताजी एक तो कोई बादल आ रहा है
ये जरूर गरजेगा
और कोई सावन आ रहा है
यह भी जरूर बरसेगा
और कोई निडर भी आ रहा है
हो गया बेड़ा गर्क
यह तो अपने बाप से भी नहीं डरता
और कोई कवि भी आ रहा है
यह कौन सा नया कवि आ रहा है
जरा नाम फिर से बोलना
पिताजी कोई युवा है
बस यही वह लड़का है
जो मां भारती की लाज रखेगा ।

प्रकृति हमारी माँ है

योगेन्द्र सिंह डोडिया
बी.एस.सी. तृतीय वर्ष

प्रकृति हमारी माँ है माँ के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है यह हम सभी अच्छी तरह से जानते हैं, किन्तु वर्तमान समय मे धन कमाने और एक दूसरे से आगे निकलने की होड में हम सभी अपनी माँ के साथ अच्छा व्यवहार नहीं कर रहे है । जिससे भविष्य मे हमें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा और भुगत रहे है, मेरे विचार मे "आप प्रकृति के साथ जितना अच्छा व्यवहार करोगे प्रकृति आप के साथ उतना अच्छा व्यवहार करेगी।'' अब आपके मन मे प्रश्न होगा प्रकृति के साथ अच्छा व्यवहार कैसे किया जाए ? वृक्षारोपण कर हम प्रकृति के साथ जुड़ सकते हैं, सालभर में एक बार हमें एक वृक्ष जरूर लगाना चाहिए और उसकी सुरक्षा करनी चाहिए पुराणों मे एक वृक्ष का बहुत महत्व बताया गया है । दस कुओं के बराबर एक वावड़ी होती है, दस बावडी के समान एक सरोवर होता है, दस सरोवर के समान एक पुत्र होता है, दस पुत्रों की तरह एक वृक्ष लगाना होता है – (मत्स्य पुराण)

प्राकृतिक संसाधनो का कम दोहन करना चाहिए । हम सब अच्छी तरह से जानते है कि प्राकृतिक संसाधनो के बिना मानव जीवन जीना संभव नहीं, किन्तु इनका उपयोग कर प्रकृति की सुरक्षा कर सकते है । उदाहरण के तौर पर प्राकृतिक संसाधन :– जल, खनिज, तेल इत्यादि । हमें इन संसाधनों का विवेकपूर्ण ढंग से उपयोग करना चाहिए। जल की सुरक्षा अति आवश्यक है, बहुत से लोगों का मानना है कि जल असीमित मात्रा में पाया जाता है। किन्तु ऐसा नहीं है। दिन प्रतिदिन जल का स्तर गिरता जा रहा है और धरती पर पीने योग्य जल की मात्रा 9% पाया जाता है ।

''रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून
पानी गये न उबरिये, मोती मानस चून''

तेल भी प्राकृतिक संसाधन है जैसे–पेट्रोल, डीजल इनका उपयोग कई तरह के नुकसान पहुंचाता हैं ।

- जैसे प्रदूषण फैलाना।
- अपने शरीर आलसी बनाना।
- आर्थिक रूप से कमजोर बनाना ।

इन नुकसान से प्रकृति को भी क्षति पहुंचती है, क्या माँ के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है। भारतीय संस्कृति मे प्रकृति को रोज प्रात : काल उठने के बाद नमन (प्रणाम) किया जाता है त्यौहार के समय माँ तुल्य मानकर पूजा – पाठ किया जाता है ।

अगर आपने प्रकृति को मां के समान माना है तो मां के समान ही व्यवहार करो वरना इसका परिणाम बहुत बुरा होगा अपने कोविड–19 के काल में देखा होगा कि ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए कैसे लाइन में लगना पड़ा सोचो बृद्धिजीवियों । जो ऑक्सीजन वृक्षों से प्राप्त होती है उसके लिए आपको लाइन में लगना पड़ रहा है समय के साथ अगर हम नहीं संभले तो परिणाम बुरा होगा । मुझे उम्मीद है कि आपको मेरा लेख पसंद आया होगा परंतु इसमें कुछ त्रुटि हो तो माफी चाहूंगा

हमारे जीवन में शिक्षक का महत्व और मेरी प्रिय शिक्षिका

नरेश मीणा
बी.ए. तृतीय वर्ष

प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति मे गुरु का महत्व रहा है भारतीय संस्कृति में गुरू को ''गुरु ब्रह्मा है, गुरू विष्णु है, गुरू ही शंकर है, गुरु ही साक्षात पर ब्रह्मा है ''माना गया है" ।

बिना गुरुभ्यो गुणनीरधिभ्यो,
जानाति तत्वं न विचक्षणोऽपि।
आकर्णदीघायित लोचनोडपि,
दीपं विना पश्यति नान्धकारे ।।

संस्कृत में श्लोक का अर्थ होता है, जैसे कान तक की लम्बाई आंखो वाला भी अंधकार में, बिना दिया के देख नहीं सकता, ठीक उसी तरह वीक्षण इंसान भी, गुन सागर ऐसे गुरू बिना तत्व को जान नहीं सकता। किसी भी व्यक्ति के जीवन मे शिक्षक उसके भविष्य का निर्माता होता है जीवन के किसी पार्ट में जैसे – केरियर, बिजनेस, आचरण व्यवहार शालीनता, नम्रता, एक आदर्श व्यक्ति बनाने में शिक्षक का अधिक महत्व होता है। किसी भी देश के भविष्य का विकास शिक्षको के हाथ में होता है इसलिए तो शिक्षक को माली की और छात्र को पुष्प की संज्ञा दी है। एक शिक्षक ही अपने सानिध्य में पुष्प रूपी छात्र को सवाँरता है। एक शिक्षक ही होता है, जो जीवन की परिस्थितियों से लड़ने और उनसे जीतने का हुनर सिखाता है। वह अपने जीवन के सारे अनुभव को छात्रो के साथ साझा करते है और उनसे कहते है जिन परिस्थितियों से है या उन्होंने समझा या अनुभव किया उन जीवन की कठिनाईयो से मेरे छात्र ना गुजरे। शिक्षक एक सच्चा मार्गदर्शक होता है जो जीवन के भवसागर में कैसे जीना है और उसे कैसे पार करना है । यह सब गुण सीखाता हैं गुरु के बारे में कोई निश्चित समय सीमा नहीं है गुरु या शिक्षक एक सागर के समान है आप उनके बारे में कुछ शब्द या लाइन लिखकर बयां नहीं कर सकते उनके बारे में जितना लिखकर या बोला जाए उतना ही कम लगता है गुरु की महिमा इतनी महान है इसको हम एक श्लोक के माध्यम से समझ सकते हैं ।

''गुरु अमृत है जगत में बाकी सब विषैला,
सतगुरु संत अनंत है प्रभु से करदे मेला ।''

हमारे महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ.पी.बी. रेड्डी सर, कला, विज्ञान व वाणिज्य के सभी शिक्षक शिक्षिकाऐं, ग्रंथपाल तथा क्रीड़ा अधिकारी आदि एक से बढ़कर एक शिक्षक और शिक्षिका है और मेरा व्यवहार सभी शिक्षकों और शिक्षिका से हमेशा अच्छा ही रहता है वे सभी भी हमें बहुत पसंद करते हैं चाहे किसी भी विषय से संबंधित हो या किसी भी विभाग से । एक टीचर को एक छात्र से कुछ नहीं चाहिए होता सिवाय आदर सत्कार के । और यह प्रत्येक छात्र का कर्तव्य बनता है कि अपने सभी टीचर का सम्मान करें । अगर आप ऐसा करते हैं तो फिर देखिए सभी टीचर भी आपको दुगना प्यार और सम्मान देंगे । वह हमेशा चाहेंगे कि महाविद्यालय के छात्र एक सर्वश्रेष्ठ छात्र और एक अच्छा इंसान बने ।

मेरा बी.ए. समाजशास्त्र विषय है । मैं हमारी समाज शास्त्र विषय की मैडम आदरणीय उषा यादव से बहुत प्रभावित हूँ, उनके निम्न गुणों से सभी स्टूडेंट को और मुझे बहुत प्रभावित किया है। आपका व्यक्तित्व बहुत ही प्रभावशाली है, साथ ही आपके पढ़ाने का अन्दाज भी शानदार है आप समाजशास्त्र के किसी भी टॉपिक को विस्तृत मजेदार और उदाहरण के रूप में समझाती है किसी भी टॉपिक को छोड़ते नहीं है तथा महाविद्यालय में अधिक कार्य होने पर भी आप हमारी क्लास लेते हो, जो कि हमारे लिए बहुत अच्छी बात है। आप हमको स्वयं की बुक भी हमें पढ़ने के लिए दे देते हो। आपका बाहरी व्यक्तित्व जितना सुन्दर और आकर्षक है उतना ही आपका स्वभाव अच्छा और मिलनसार है तथा आप हँसमुख प्रवृति की है अगर आप किसी छात्र से नाराज भी हो जाये तो वापिस उसे समझाकर बात कर लेती है । छात्र जो भी सवाल पूछे उसका आप मुस्कराकर जवाब देती है। जिससे छात्रों को आपसे बात करने में कोई झीझक महसूस नही होती है। आपकी लोकप्रियता के मुख्य कारणो में आपका परिश्रमी और स्पष्टवादिता तथा सच्चरित्रता का होना है। हमारी मेडम किसी भी मुद्दे पर अपना स्पष्ट और स्वतंत्र मत रखती है, वह किसी के दबाव मे आकर काम नही करती है । हमने आपकी छत्रछाया में एन.एस.एस कैम्प भी पूर्ण किया है जो की बहुत ही शानदार रहा जिसमें हम सभी छात्रो को आनन्द तो आया की साथ ही हमारे व्यक्तित्व का विकास भी हुआ, हमने आपके और अन्य शिक्षको के नेतृत्व में एन.एस.एस केम्प बनबनी 2022 में गतिविधियाँ और साफ – सफाई करके लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया और उसके फायदे भी बताये।

गाँव की समस्याओं पर आपके नेतृत्व में सर्वेक्षण भी किया जिसमें गाँव की समस्याएँ मालूम हुई और हमें यह पता चला कि एक अच्छा सर्वेक्षणकर्ता कैसे बना जाए या कैसा होना चाहिए। इसके अलावा कैम्प की मुख्य बात यह रही की जो हम स्वयं सेवको ने 6 दिन में क्या– क्या गतिविधियों की, तथा गांव क्या – क्या छोटी से छोटी समस्याए है उनको हमारी आदरर्णीय उषा यादव मेडम ने जनप्रतिनिधियों के सामने एक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया । जिस पर जनप्रतिनिधियों ने भी उनकी प्रशंसा की और साथ ही गाँव की जो समस्याएँ है उनको सुलझाने का सभी ग्राम वासियो और स्वयंसेवकों को विश्वास दिलाया । जिसमे हमारे शा. कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय नागदा के एन.एस.एस कैम्प बनवनी 2022 की एक सफल कैम्प होने का गौरव मिला । जिसका श्रेय हमारी मेडम द्वारा सभी स्वयंसेवको को दिया गया जिसके लिए आपका बहुत – बहुत धन्यवाद । हम सभी छात्र यही चाहते है कि हमारी मेडम का हमेशा ऐसा व्यक्तित्व बना रहें और बढ़ता रहे ।

अन्त में कहना चाहता हूँ कि मुझे बेहद खुशी है कि हम सभी छात्र – छात्राएँ आपकी छत्रछाया में अपना भविष्य उज्जवल कर रहे है, आप हमारी प्रेरणा स्रोत हैं ।

धन्यवाद

"सृजन" की और चल पड़ा हूँ मैं
तुफानों से लड़ खड़ा हूँ मैं
उम्मीद की किरण की और
हर ठोकर खाकर बढ़ा हूँ मैं – मनीष

दलितों के मसीहा डॉ. भीमराव अंबेडकर

सुहाना पंवार
बी.ए. तृतीय वर्ष

भारत के राष्ट्रीय और सांस्कृतिक इतिहास में सामाजिक विचारक डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश में इंदौर की महू छावनी में अछूत कही जाने वाली नहार जाती में हुआ था। इनके बचपन का नाम भीम सकपाल था। वे अपने माता–पिता की चौदहवीं एवं अंतिम संतान थे इसलिए वे घर में सबसे अधिक प्रिय थे। जब इनकी आयु 5 वर्ष की थी तभी इनकी माता का देहांत हो गया था।

डॉक्टर अंबेडकर को उनके जीवन की आरंभिक अवस्था में अनेक कष्ट सहने पड़े। वह बचपन से संस्कृत की शिक्षा ग्रहण करना चाहते थे, लेकिन संस्कृत के किसी भी ब्राह्मण शिक्षक ने उन्हें एक शिष्य के रूप में स्वीकार नहीं किया, क्योंकि वह जन्म से अछूते थे विवश होकर उन्हें फारसी भाषा का अध्ययन करना पड़ा।

1905 में मुंबई के एलफिंस्टन स्कूल में प्रवेश लिया, इस स्कूल में छुआछूत की कोई भावना ना होने के कारण यहीं से अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल गया ।

अपने बचपन में अछूत जाति से संबंधित होने के कारण जिन कठिनाइयों का सामना किया, उसके फलस्वरूप उन्होंने 32 वर्ष की आयु में अस्पृश्य जातियों की स्थिति में सुधार करना अधिक आवश्यक समझा। उन्होंने अपना पहला प्रयास सन 1923 में ही मुंबई से एक 'बहिष्कृत भारत' आरंभ कर दिया। उच्च जातियों द्वारा किए जाने वाले सामाजिक अन्याय के विरुद्ध दलित वर्गों को संगठित करने के लिए एक बहिष्कृत हितकारिणी सभा की स्थापना की ।

स्वतंत्रता के बाद जब संविधान सभा गठित की गई तो संविधान का प्रारूप तैयार करने के लिए जिस समिति का निर्माण किया गया डॉक्टर अंबेडकर जी को उस समिति का सदस्य भी नियुक्त किया गया। संविधान सभा के सदस्य होने के नाते उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत एक लोकतंत्र देश है तो कानून की दृष्टि में सभी नागरिकों को समानता का अधिकार दिया जाए । डॉक्टर अंबेडकर ने अस्पृश्यता सामाजिक भेदभाव स्त्रियों की परिस्थिति तथा परिवार और विवाह के बारे में नियम दिया उनका कहना था कि राज्य के द्वारा ऐसे कानून बनाए जाएं जिससे सामाजिक असमानता दूर हो सके ।

डॉक्टर अंबेडकर के प्रयत्नों से अनुच्छेद 15 व 16 में सामाजिक समानता की व्यवस्था की गई तथा अनुच्छेद 17 में अस्पृश्यता को समाज से पूरी तरह दूर करने का संकल्प किया गया।

इसके साथ ही अनुसूचित जातियों के रूप में घोषित अछूत जातियों के लिए संविधान लागू होने के समय से 10 वर्ष तक के सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था की गई ।

सच बात तो यह है कि भारत में अस्पृश्यता (अपराध) अधिनियम 1955 को तैयार करने तथा इसे पारित करवाने का मुख्य श्रेय डॉ भीमराव अंबेडकर को ही है।

हिंदू समाज में व्याप्त कुर्तियों और छुआछूत की प्रथा से तंग आकर सन 1956 में उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया। डॉक्टर अंबेडकर भारत में दलित वर्गों को समाज में एक सम्मानपूर्ण स्थान दिला कर दलितों के मसीहा बन गए । अन्ततः 6 दिसंबर 1956 को 65 वर्ष की आयु में दिल्ली में अलीपुर रोड पर स्थित अपने निवास स्थान पर दलितों के मसीहा डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का निधन हो गया।

नारी की महत्वता

राष्ट्रीय नारी दिवस (13 फरवरी) विश्व नारी दिवस (8 मार्च)

भीमराज सिंह
बी.एस.सी. तृतीय वर्ष

नारी जिसके बिना नर अधूरा, हिंदू धर्म (सनातन धर्म) में नारी को देवी तुल्य माना गया है। नारी है तो हम हैं, सोचो अगर नारी ना होती तो क्या होता । पुराणों में भी नारी का महत्व बताया गया है –

"यत्र नार्यस्त पूज्यंते, रमन्ते तत्र देवता"

अर्थात जहां नारी को पूजा जाता है, वहां देवता भी विराजमान रहते हैं ।

एक नारी ने ही गुरुओं के गुरु (सप्त ऋषियों) के गुरु भगवान शिव को शव (लाश) से शिव बनाया एक नारी ने ही (माता जीजा बाई) महाराज शिवाजी को देश सेवा के लिए प्रेरित किया इसके बाद तो आप जानते ही हैं क्या ।

एक नारी ने ही तुलसी को तुलसीदास बनाया और उन्होंने बाद में महाकाव्य रामायण की रचना की। आपने ध्यान दिया होगा जब भी हमारे घर पर बेटी का जन्म होता है, तो हम कहते हैं कि लक्ष्मी आई है यूँ नहीं कहते कि कुबेर आया है। जब शादी होने के बाद वधू गृह प्रवेश करती है तो उसे भी हम लक्ष्मी की संज्ञा देते है। भारतीय पुराणों के अनुसार जब सृष्टि की रचना हुई तब पहले मनु (पुरुष) सतरूपा (महिला) की उत्पत्ति हुई थी जिन्होंने 5 बच्चों को जन्म दिया था । जिसमें तीन बेटी व दो बेटे थे। शुरुआत में ही बेटियों का प्रतिशत दर्शाता है कि भगवान को भी बेटियां प्रिय थी ।

ज्ञान की देवी – मां सरस्वती
धन की देवी – महालक्ष्मी
शक्ति की देवी – माँ कालीका तीनों ही नारी थी।

वर्तमान समय में नारियों के अधिकार में सुधार हुआ है परंतु अभी और सुधार होना बाकी है । जब भारत देश आजाद हुआ था । तब पहली बार आम चुनाव 1952 में हुए थे । जिसमें महिलाओं को मत (वोट) देने का अधिकार नहीं था । बाद में इन्हें यह अधिकार दिया गया ।

भारत में प्रथम महिला –

राष्ट्रपति	–	प्रतिभा देवी सिंह पाटिल
प्रधानमंत्री	–	श्रीमती इन्दिरा गाँधी (आयरन लेडी)
केंद्रीय मंत्री	–	राजकुमारी अमृत कौर
मुख्यमंत्री	–	सुचेता कृपलानी (उत्तर प्रदेश)
राज्यपाल	–	सरोजिनी नायडू (उत्तर प्रदेश)
अंतरिक्ष यात्री	–	कल्पना चावला
माउंट एवरेस्ट फतेह	–	बछेन्द्री पाल
आई.पी.एस.	–	किरण बेदी,
आई.ए.एस.	–	अन्ना जार्ज
नोबेल पुरस्कार विजेता	–	मदर टेरेसा (1980)
भारत रत्न	–	इन्दिरा गाँधी (1971)

आत्मानुशासन

लक्ष्मी मीणा
बी.एस.सी. तृतीय वर्ष

हर काम को करने का एक निश्चित और अनुशासित तरीका होता है । अपनी जिंदगी में अनुशासन को अपनाने से पूर्व जरूरी है, आत्मानुशासन धारण करना । इसका सीधा सा अर्थ है भटके हुए मन को एक दिशा में केंद्रित करना और यह सीखना कि इसे कैसे निर्देशित किया जा सकता है। हमारी सफलता इसी पर निर्भर करती है और यकीन मानिए स्वयं पर अनुशासन रखकर हम हर कार्य को सम्भव बना सकते है ।

आपको अपने आप से निरन्तर यह प्रश्न करना चाहिए कि आप सबसे बेहतर क्या कर सकते है और इसके बाद आपको अपने जीवन को बेहतर बनाने के प्रयास मे जुट जाना चाहिए । अगर आप वाकई एक एंटरप्रेन्योर या व्यक्ति बनना चाहते है तो आपको खुद में अनुशासन लाना होगा और अपने लक्ष्य की तरफ ध्यान देना होगा । लक्ष्य और उपलब्धियों के बीच का पुल है , ''आत्मानुशासन'' अनुशासन को आत्मशात करने के कई नियम है, उन्हीं में से पहला नियम है –

- **माइंडसेट तय करता है सफलता की राह :–**

अनुशासन में रहने का पहला यह है आप किस तरह के विचारों को अपने दिमाग में आने देंगे। इसलिए इस बात के लिए जागरूक रहे कि आपकी सोच किस दिशा में आगे बढ़ रही है । अनुशासन पसन्द करने वाले लोग पॉजिटिव रहते है और अपनी असफलताओं को भी सीखने का मौका समझते हैं ।

- **सीखने की इच्छा :–**

अनुशासित लोग बहुत उत्साही होते है । वे सुनने और सीखने के लिए हमेशा तैयार रहते है । वे काम करना, धैर्य के साथ इंतजार करना, अपने विचारों को बदलना चाहते है और अपने तरीके से बदल कर देखना चाहते है। ऐस ही लोग अपने समय, एनर्जी और कमिटमेंट के साथ नए चैलेंजेस का सामना करते है ।

- **जिम्मेदारी लेनी होती है :–**

किसी बिपरीत परिस्थिति के लिए डिसिप्लिन्ड लोग किसी को दोष नहीं देते बल्कि खुद जिम्मेदारी लेते है । वे जानते है कि उनकी असफलता का कारण उन्ही के पास है । जब कोई काम नहीं होता तो वे उसे एनालाइज करते है और पता लगाते है कि वहां क्या गलत हो रहा है और उसे ठीक करने की कोशिश करते हैं ।

- **जरूरत व पसंद मिलाएं :–**

अगर आप खुद को आत्मानुशासित देखना चाहते हैं तो आप उन चीजों को साथ कर सकते हैं, जिन्हें आप करना चाहते हैं और जिन्हें आपको करने की जरूरत है। इससे आपका सेल्फ – डिसिप्लिन पहले से बेहतर हो पाएगा और आपको मजा भी आएगा ।

अनुशासन हमारे अन्दर आत्मनिर्भरता, आत्म नियत्रंण, वचनबद्धता लाता है । इसका आरंभ हमारे मन से होता है। क्योंकि निश्चित लक्ष्य उद्देश्य को पाने की निष्ठा, सफलता या असफलता, जय या पराजय सब यही से उत्पन्न होते हैं, भले हमारे सपने बड़े हों, हमारे जीवन उनकी कितनी ही बड़ी अहमियत क्यों न हो, यदि हम ''आत्मनुशासित'' रहकर अभ्यास नहीं करते है तो उसे कभी नहीं पा सकते हैं अनुशासन हमारी शक्ति का महत्वपूर्ण स्त्रोत है । जो हमे जीवन मे सबसे आगे ले जाएगा ।

कोशिश कर

संजना पोरवाल
बी.कॉम. प्रथम वर्ष

कोशिश कर, सफलता जरूर मिलेगी
कोशिश कर, सारी दुनिया एक दिन तेरे नाम को पहचानेगी
कोशिश कर, रात के अंधेरे से लड़ने की
मुस्कुराती हुई सुबह जरूर मिलेगी
कोशिश कर, पिंजरे से बाहर निकलने की,
एक दिन उड़ान जरूर मिलेगी
कोशिश कर, दुनिया की बातों को नजरअंदाज करने की
क्योंकि यही दुनिया तेरे आगे सर झुकाएगी
कोशिश कर, नव को छूने की एक दिन
यही कोशिश तुझे कामयाब बनाएगी
कोशिश कर, बेड़ियों को तोड़ने की
एक दिन यह बेड़िया जरूर टूट जाएगी
कोशिश कर, अपनी बात को रखने की,
एक दिन तेरी ये बात जरूर सुनी जाएगी
कोशिश कर, अपने सपनों को पाने की,
एक दिन यह कोशिश जरूर रंग लाएगी
कोशिश कर, खामोशी से मेहनत करने की,
एक दिन तेरी सफलता जरूर शोर मचाएगी ।

अभी तो असली मंजिल पाना बाकी है,
अभी तो कई इम्तिहान बाकी है।
अभी तो नापी है बस मुठ्ठी भर जमीन,
अभी तो पूरा आसमान नापना बाकी है।

वो पुराना चरित्र

माया कुंवर
बी.एस.सी. प्रथम वर्ष

संग्राम प्रदेश शिक्षा विभाग का अधिकारी है। और इस पद पर आने के लिए उसमें बहुत संघर्ष किया परंतु संग्राम उस संघर्ष को भूल गया वह भूल गया कि उसकी जेब में महाविद्यालय तक जाने के लिए एक रुपए का सिक्का भी नहीं हुआ करता था । आज संग्राम सिंह रिश्वतखोरी और लेट लतीफ में लिप्त अधिकारी है। वह भूल गया कि उसने उस पद को ग्रहण करते वक्त ईमानदारी की शपथ ली थी। छात्र जीवन में अनुशासन तथा ईमानदार व्यक्ति था। शायद संघर्ष की थकान में उसे इस तरह कायर बना दिया है कि वह रिश्वत लेने लग गया, मगर एक दिन संग्राम अपने दफ्तर जा रहा था उस दिन उच्च अधिकारी निरीक्षण के लिए आने वाले थे, मगर यह क्या संग्राम सिंह की गाड़ी अचानक रुकी और गाड़ी के इंजन में से धुआं निकलने लग गया । संग्राम सिंह ने ड्राइवर से कहा गाड़ी क्यों रोक दी तुम्हें पता है ना आज उच्च अधिकारी दफ्तर आने वाले हैं । संग्राम सिंह चिल्लाया नालायक जल्दी चलाओ गाड़ी ड्राइवर बोला बाबूजी गाड़ी का तो इंजन खराब हो गया है उसे ठीक होने में तो 1 घंटा लग जाएगा । संग्राम सिंह बोला अब मैं दफ्तर कैसे जाऊंगा संग्राम सिंह अपने ड्राइवर पर खूब चिल्लाया मगर चिल्लाने से क्या फायदा गाड़ी तो खराब हो चुकी थी । संग्राम सिंह सड़क के किनारे पीपल के पेड़ के नीचे पत्थर पर बैठ गया और किसी से मदद मांगने का विचार करने लगा । दफ्तर उस जगह से करीबन 5 किलोमीटर पड़ता था इतनी दूर चल कर जाना तो संग्राम सिंह समय पर दफ्तर नहीं पहुंच पाता इसलिए उसने किसी की मदद मांगना उचित समझा।

वह इलाका सुनसान था इसलिए वहां ज्यादा वाहन भी नहीं निकलते थे । मगर शायद संग्राम सिंह की किस्मत अच्छी थी । एक करीबन 16 वर्ष का लड़का स्कूल का बस्ता लेकर साइकिल पर आ रहा था। संग्राम सिंह ने उस लड़के को रोका लड़का रुका तो संग्राम सिंह ने पूछा तुम कहां तक जा रहे हो तो उस लड़के ने बताया कि वह स्कूल जा रहा है पास के शहर में । संयोग से वह स्कूल संग्राम सिंह के दफ्तर से थोड़ी ही दूरी पर था । संग्राम सिंह ने लड़के से कहा कि क्या वह अपनी साइकिल पर उसे अपने दफ्तर तक छोड़ देगा । लड़का मान गया। संग्राम सिंह लड़के की साइकिल पर सवार हो गया। रास्ते में संग्राम सिंह ने लड़के के बारे में पूछा तो लड़के ने बताया कि वह पास के एक छोटे से गांव में रहता है तथा वह शहर के शासकीय विद्यालय में कक्षा बारहवीं में पढ़ता है । लड़के ने बताया कि वह पहले इतनी दूर पर पैदल आया करता था लेकिन गत वर्ष गर्मियों में उसने खेतों में मजदूरी करके जो पैसे आए उनसे यह साइकिल खरीद ली ।

लड़के ने यह भी बताया कि वह आगे पढ़ाई करके एक ईमानदार प्रशासनिक अधिकारी बनना चाहता है। यह बात सुनकर संग्राम सिंह को अपनी पुरानी बात याद आ गई। क्योंकि संग्राम सिंह का जीवन भी बहुत संघर्ष रत था। वह भी यही सोचा करता था कि वह एक ईमानदार प्रशासनिक अधिकारी बनेगा। उसे याद आया कि स्कूल और महाविद्यालय तक जाने के लिए ना तो उसके पास साइकिल थी न ही पैसे थे । जबकि उस समय बस से उसके गांव से महाविद्यालय तक जाने का सिर्फ 1 घण्टा लगता था । कई बार तो उसे पैदल ही आना–जाना करना पड़ता था। घर की आर्थिक स्थिति भी इतनी अच्छी नहीं थी कि उसकी पढ़ाई का खर्च घरवाले दे सके। उससे खुद मजदूरी करके अपनी पढ़ाई का खर्च निकालना पड़ता था फिर भी वह कभी चोरी नहीं करता था उस समय वह अनुशासित व ईमानदार व्यक्ति था । उसे सब कुछ याद आने लगा तभी अचानक उस लड़के ने कहा कि बाबूजी आप का दफ्तर आ गया संग्राम सिंह का ध्यान अपने विचारों से हटा और वह अपने दफ्तर के सामने उतर गया । संग्राम सिंह ने सोच लिया था कि वह आगे से कभी भी रिश्वत नहीं लेगा तथा वह एक ईमानदार और अनुशासित जीवन जीयेगा यह सोचते हुए वह अपने दफ्तर के अंदर चला गया।

आया बसन्त

माया कुंवर
बी.एस.सी. प्रथम वर्ष

आधे मांघ को आया बसंत
तन मत, तरू–वन चहू और है परिवर्तन ।
आया बसंत, आया बसंत
पतझड़ संग नव अंकुर लाया बसंत
आधे माघ को आया बसंत ।

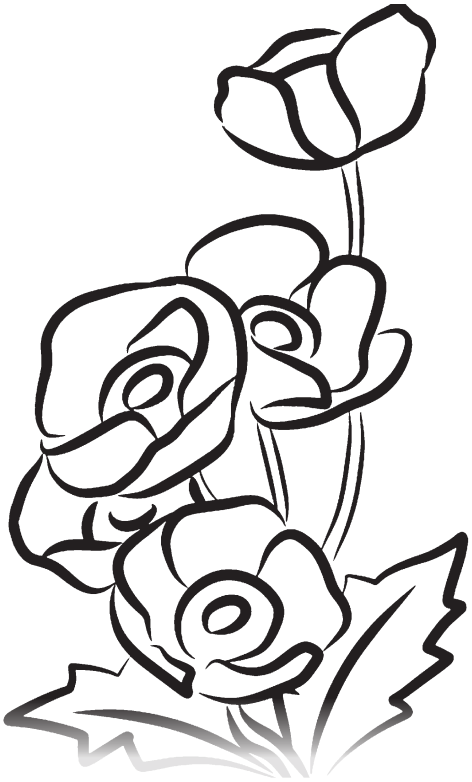

सुबह सुनहरी है धूप
जग में त्योहारों की है धूम ।
दिन में सूरज आग का गोला
यह मौसम है बड़ा निराला।

जाता माघ के संग लाया फाग
आएगी होली, आ गया फाग
मीठी–मीठी, प्यारी–प्यारी यादें जोड़ देती है यह होली ।
फूलों की खुशबू सा होता है यह फाग
रंगों की आवली–होती है या होली ।
हर किसी का चेहरा होता है रंगीन
होली का बहुत दिन होता है कितना हसीन ।

पवन चल रही है मंद–मंद
रंगों में खुशबू लाता है बसंत ।
बजती है शहनाई, बजता है बाजा बसंत ऋतु का सुनहरा राजा ।
संघर्ष ही जीवन है, सिखाता है बसंत
जन्म – मरण है अनंत बताता है बसंत
सुनहरी खुशबू सी रोनक जीवन में लाना सिखाता है बसंत ।
आधे मांघ को आया बसंत
पतझड़ संग नव अंकुर लाया बसंत ।।

हमारा प्यारा देश

भावेश मरमट
बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष

सबसे सुंदर है देश हमारा
सुंदर कितना प्यारा,

जिस देश में गंगा बहती है
जहाँ भारत माता रहती है ,
इस देश का मैं वासी हूँ
जिस देश में महान नारी रहती है ।

सबसे सुंदर है देश हमारा
कितना सुंदर कितना प्यारा ,

जिस देश मे एकता रहती है
जहाँ दिल मे सच्चाईरहती है ,
इस देश का मैं वासी हूँ
जिस देश में सनातन धर्म है ।

सबसे सुंदर है देश हमारा
सुंदर कितना प्यारा ।

जान है तो जहाँन है

योगेन्द्र सिंह डोडिया
बी.एस.सी. तृतीय वर्ष

जान है तो जहाँन है, जब जान ही नहीं रहेगी तो यह शरीर किस काम का है । यहाँ जान का अर्थ स्वस्थ होने से है। स्वस्थ शब्द आया है तो अब स्वस्थ कैसे रहा जाए । इसके बारे में हम इस लेख में पढ़ेंगे। सुबह थोडा जल्दी उठिए यानि ब्रह्म मूहर्त में (सूर्य उदय से ढेड घण्टा पहले) उठिए, कुछ समय योग, कुछ समय ध्यान और कुछ समय प्राणायम को दीजिए । इन्ही गतिविधियों से तो शरीर स्वस्थ रहेगा जिस व्यक्ति का शरीर स्वस्थ, जिस व्यक्ति का मस्तिष्क स्वस्थ, उसका हर काम परफेक्ट, दुनिया में जितने भी व्यक्ति सफल हुए है उन्होंने इन तीनों गतिविधियों को अपने जीवन में अपनाया है। थोड़ा पैदल चलिए, थोड़ा कूदिए, थोड़ा दोड़िये, इन गतिविधियों से शरीर में रक्त संचार अच्छी तरह से होगा ।

मैंने देखा है आज का व्यक्ति बहुत आलसी हो गया जो काम बिना टेक्नोलॉजी से हो रहा है, वह काम उसे आसानी से कर लेना चाहिए। किन्तु उस काम में भी टेक्नालॉजी का उपयोग करता है। फिर तो शरीर पत्थर के समान हो जाएगा ।

कुछ काम ऐसे हैं जिन्हें हम बिना टेक्नोलॉजी के भी कर सकते हैं, यहाँ एक तीर से दो निशाने वाली कहावत सही हो जाएगी"

जैसे – आपका ऑफिस या फिर स्कूल या फिर अन्य कई काम है, जो आपको लगता है, कि इन कामों को हम साईकिल का उपयोग करके कर सकते हैं, तो कीजिए । इससे आपका शरीर फिट और प्राकृतिक संसाधन की भी बचत और आपके पॉकेट मनी की भी बचत । अरे यह तो एक तीर से तीन निशाने।

शरीर स्वस्थ रखना है, तो संतुलित आहार लिजिए ?

संतुलित आहार का अर्थ जिससे आपके शरीर का संतुलन बना रहे ऐसा आहार लीजिए।

जैसे हमें भोजन मे अंकुरित भोजन जैसे चने, सोयाबीन आदि का सेवन करे । इनमें प्रोटीन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है । प्रोटीन शरीर की वृद्धि एवं विकास में सहायक होता है । फलो और हरी सब्जियों का सेवन कीजिए यह भी शरीर के लिए लाभदायक है ।

भोजन के नियम

भारतीय पुराणों में भी भोजन करने के सही तरीके बताए गये है ।

भोजन से पहले हाथ पैर मुँह धोकर ही भोजन करें ।

एकान्त में बैठकर भोजन का आनन्द लीजिए । भोजन करते समय मौन रहना है ।

थोडा विचार करो कि जानवरों में सबसे ज्यादा मसल (Body) किसकी होती है। सोचा ?
सांड़ की क्योंकि वह घास को चबा–चबा कर खाता है।
कम खाइए, अच्छा खाइए ।
रात का भोजन भरपेट नहीं खाना चाहिए । इससे आपको अनिद्रा की समस्या हो सकती है ।

वाणिज्य विभाग प्रतिवेदन
2021–22

डॉ. सी.एम. मेहता
विभागाध्यक्ष वाणिज्य

शासकीय कला विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय नागदा के वाणिज्य विभाग द्वारा सत्र 2021 2022 में विद्यार्थियों को सकारात्मकता एवं रचनात्मकता प्रदान करने हेतु समय समय पर विभाग द्वारा कई कार्यक्रमों का आयोजन कराया जाता है ताकि वाणिज्य के विद्यार्थीयों रोजगार प्राप्त करके अपनी सकारात्मक ऊर्जा का उपयोग कर सके । इसी तारतम्य में विभाग द्वारा विद्यार्थी को रोजगार मूलक जानकारी हेतु दिनांक 11.12. 2021 को स्वामी विवेकानन्द कॅरियर मार्गदर्शन एवं वाणिज्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में इन्वेस्टर अवेयरनेस सेमिनार का एक दिवसीय आयोजन कराया गया जिसमें विद्यार्थियों को भारतीय पूँजी बाजार में रोजगार एवं निवेश के अवसरों से अवगत कराया गया। इसी के साथ विभाग द्वारा नैक की बेस्ट प्रेक्टिसेस के अंतर्गत दिनांक 05.01.2022 को बसन्त पंचमी के अवसर पर विद्यार्थियों का बौद्धिक एवं उनके सर्वागीण विकास के लिए एक विशेष व्याख्यान का भी आयोजन किया गया शैक्षणिक एवं अकादमिक कैलेण्डर के अंतर्गत विभाग द्वारा समय समय पर उच्चशिक्षा विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अंतर्गत सी.सी.ई. परियोजना कार्य का भी समय समय पर निर्देशों के अनुरूप कार्य सम्पादित किया गया । इसी के साथ ही उच्च शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन हेतु जारी दिशा निर्देशों के अंतर्गत व्यावसायिक पाठ्यक्रम एवं प्रोजेक्ट / इन्टर्नशीप / सामुदायिक जुड़ाव के चयन एवं परिवर्तन हेतु 3 दिवसीय विद्यार्थियों हेतु अभिमुखी (इन्डेक्शन) कार्यक्रम का आयोजन किया गया इससे साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन हेतु समय – समय पर विभाग द्वारा कई प्रकार की गतिविधियों का भी संचालन किया गया । इसी का परिणाम है कि महाविद्यालय में वाणिज्य के विद्यार्थियों की संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है :–

वाणिज्य विभाग में सत्र 2016–17 से 2021–22 में प्रवेशित स्नातक/स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की कक्षावार जानकारी

Class	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
B.Com I Plain	90	100	128	146	128	179
B.Com I Computer	30	30	38	35	30	39
B.Com II year Plain	71	76	93	123	119	128
B.Com II Year Computer	20	20	28	37	30	28
B.Com III year Plain	66	76	69	88	116	118
B.Com III Year Computer	10	22	17	30	33	28
U.G. TOTAL	287	324	373	459	456	520
M.Com I Semester	58	60	56	60	61	78
M.Com III Semester	41	54	43	40	53	55
P.G. TOTAL	99	114	99	100	114	132
GRAND TOTAL U.G + P.G.	386	438	472	559	570	652

गाँव की बेटी/प्रतिभा किरण प्रतिवेदन
2021–2022

प्रो. सी.एल. डोडिया
गाँव की बेटी/प्रतिभा किरण प्रभारी

ग्रामीण क्षेत्र एवं गाँव की पाठशाला से कक्षा 12 वीं. कक्षा प्रथम श्रेणी में उतीर्ण करने वाली छात्राओं के लिए गाँव की बेटी योजना एवं शहरी क्षेत्र में पढ़ने वाली मेधावी छात्राओं जिनके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नही होती है उनके लिए प्रतिभा किरण योजना शासन द्वारा महाविद्यालय में प्रवेश को प्रोत्साहन देने हेतु शासकीय नियमावली की संपूर्ण पात्रता शर्तों को पूर्ण करने वाली छात्राओं को प्रोत्साहन स्वरूप प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। छात्राओं के प्रोत्साहन हेतु शासन द्वारा चलाई जा रही इन योजनाओं का महाविद्यालय द्वारा प्रचार–प्रसार कर योग्य छात्राओं को योजना का लाभ दिलवाकर महाविद्यालय द्वारा लाभान्वित कराया जा रहा है। इसी जागरूकता का परिणाम है कि इनकी नियमावली की संपूर्ण पात्रता शर्तो को पूर्ण कर प्रोत्साहन राशि को प्राप्त करने वाली छात्राओं की संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है ।

उच्चशिक्षा विभाग म.प्र. शासन द्वारा संचालित योजना का विवरण

(1) गाँव की बेटी योजना

क्र.	सत्र	छात्रा		छात्रा		छात्रा		छात्रा		कुल राशि
		एस सी	राशि	एस टी	राशि	ओबीसी	राशि	सामान्य	राशि	
01	2017–18	05	25000	01	5000	13	65000	16	5000	100000
02	2018–19	08	40000	01	5000	12	60000	15	75000	180000
03	2019–20	22	110000	00	000	11	55000	20	100000	265000
04	2020–21	07	45000	00	00	08	40000	11	55000	140000
05	2021–22	05	25000	01	5000	23	115000	18	90000	235000

(2) प्रतिभा किरण योजना

क्र.	सत्र	छात्रा		छात्रा		छात्रा		छात्रा		कुल राशि
		एस सी	राशि	एस टी	राशि	ओबीसी	राशि	सामान्य	राशि	
01	2017–18	08	40000	–	–	–	–	–	–	40000
02	2018–19	05	25000	–	–	–	–	–	–	25000
03	2019–20	07	35000	01	5000	09	45000	02	10000	95000
04	2020–21	07	35000	00	00	12	60000	02	10000	105000
05	2021–22	07	35000	–	–	11	55000	01*	5000	95000

छात्रवृत्ति प्रतिवेदन
(2021–2022)

डॉ. वीणा पारीक
छात्रवृत्ति योजना प्रभारी

उच्चशिक्षा विभाग म.प्र. शासन द्वारा संचालित पोस्टमैट्रिक एससी/एसटी/ओबीसी छात्रवृत्ति का लाभ सत्र 2005–06 से 2020–21 का लेने वाले विद्यार्थियों का विवरण निम्नानुसार प्रस्तुत है –

क्र.	सत्र	अनुसूचित जाति				अनुसूचित जनजाति				पिछड़ा वर्ग			
		नवीन		नवीनीकरण		नवीन		नवीनीकरण		नवीन		नवीनीकरण	
		संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि
01	2016–17	59	292657	58	350287	01	4453	–	–	79	212489	74	233215
02	2017–18	79	354499	73	463523	09	38327	–	–	84	195586	96	337878
03	2018–19	104	529807	89	545777	–	–	04	23024	132	581183	100	501267
04	2019–20	99	513948	142	863426	–	–	04	23336	160	666768	174	901249
05	2020–21	113	359886	175	829438	01	5194	–	–	144	480714	234	1048068

" पुस्तकें वो साधन हैं
जिनके माध्यम से हम
विभिन्न संस्कृतियों के
बीच पुल का निर्माण
कर सकते हैं"

सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन

रा.से.यो. नियमित गतिविधि प्रतिवेदन (2021–2022)

प्रो. उषा यादव
सहा. प्राध्यापक
समाज शास्त्र

रा.से.यो का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास एवं उनमें समाज के प्रति अपने कर्तव्य का बोध कराने के लिए समाज से जोड़ना है ।

महाविद्यालय में वर्ष 2021–2022 में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अंतर्गत नियमित गतिविधियों के अंतर्गत जो गतिविधियाँ आयोजित की गई है उनका विवरण निम्न है :–

1 दिनांक 09.07.2021 को रासे यो इकाई की सलाहकार समिति का गठन प्राचार्य डॉ पी बी रेड्डी की अध्यक्षता में किया गया ।

2. दिनांक 29.072021 को महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ द्वारा परिसर में पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया एवं पौधों की देखभाल का संकल्प किया गया ।

3. दिनांक 16.08.2021 को रा.से.यो. के कैलेण्डर अनुसार स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया जिसके अंतर्गत महाविद्यालय परिसर की सफाई की गई एवं सप्ताह में प्रत्येक शुक्रवार को नियमित रूप से महाविद्यालय में श्रमदान से सफाई करने का निर्णय लिया गया ।

4. सितम्बर प्रथम सप्ताह में रा.से.यो में पंजीयन कार्य किया गया जिसमें दिनांक 19 अगस्त 2021 सदभावना दिवस के एक दिन पूर्व शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें प्रभारी प्राचार्य डॉ सी एम मेहता ने सदभावना की शपथ दिलाई ।

5. दिनांक 22.09.2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस के परिप्रेक्ष्य में स्वयं सेवकों द्वारा महाविद्यालय परिसर की व बगीचे की सफाई की गई । 23.09.2021 को पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता बेटी बचाओं विषय पर आयोजित की गई जिसमें तनु परमार प्रथम, भावेश मरमट – द्वितीय एवं रीना मालवीया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । दिनांक 24.09.2021 को रा.से.यों. के स्थापना दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया । मुख्य वक्ता वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष एवं पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ.सी. एम मेहता रहे ।

6. दिनांक 30.10.2021 को रासेयो इकाई द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत मप्र के स्थापना दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम रितिक जाट, द्वितीय – राजपाल गौर, एवं तृतीय – शुभम बसेर रहे।

7 विश्व एड्स दिवस पर 01 दिसम्बर 2021 को रा.से.यो. इकाई व रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वाधान में स्वये सेवकों द्वारा जागरूकता रैली पुराना बस स्टैण्ड से किलकीपुरा चौराहे तक निकाली गई ।

8. दिनांक 09 दिसम्बर 2021 को रा से यो एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वाधान में HIV/AIDS पर विशेष व्याख्यान एवं परीक्षण शिविर का आयोजन सिविल हॉस्पिटल नागदा एवं साथी केयर होम के सहयोग से किया गया ।

9. दिनांक 17/12/2021 को रा.से.यो. इकाई द्वारा युवा संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण विकास में पंचायती राज भूमिका विषय पर युवा संवाद कायक्रम आयोजित किया गया ।

10. दिनांक 18/12/2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सवय सेवकों द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई ।

11. दिनांक 12/01/2022 को राष्ट्रीय युवा दिवस पर सहज योग द्वारा स्वयं को पहचानों विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य वक्ता शासकीय शिक्षा अध्ययन शाला उज्जैन के डॉ अमित गोयल रहे । दिनाक 14/01/2022 को रा.से.यो. इकाई व एन सी सी के संयुक्त तत्वाधान में मकर सक्रान्ति पर शासन के निर्देशानुसार सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया ।

13. दिनांक 25/01/2022 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. बी रेड्डी ने जागरूकता हेतु शपथ दिलाई ।

14. दिनांक 11/02/2022 से 17/02/2022 तक राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के विशेष शिविर का आयोजन ग्राम बनबनी में किया गया ।

15. दिनांक 8 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं का हीमोग्लोबिन परीक्षण हेतु एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। जिसमें लगभग 60 छात्राओं का परीक्षण करवाया।

" सफलता बड़ी चीजों में है...
खुशी छोटी चीजों में है....
ध्यान शून्य में है...
ईश्वर हर चीज में है...
यही जीवन है। "

विभिन्न गतिविधियों की चित्रमीय झलकियाँ वर्ष 2021-22

विभिन्न गतिविधियों की चित्रमीय झलकियाँ वर्ष 2021-22

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन एवं व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ
वार्षिक प्रतिवेदन (2021–22)

प्रो. पूजा शर्मा
सहा. प्राध्यापक
राजनीति शास्त्र

1. बैंकिंग क्षेत्र में कैरियर गाइडेंस प्रोग्राम व प्लेसमेंट शिविर का आयोजन

दिनांक 11.07.2021 को शासकीय महाविद्यालय नागदा में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन इकाई की तरफ से मुंबई के प्रसिद्ध संस्थान एनआईआईटी के साथ मिलकर ऑनलाइन गाइडेंस प्रोग्राम व प्लेसमेंट शिविर का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में लगभग 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया । इसमें बैंकिंग क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को बैंकिंग क्षेत्र में विभिन्न जॉब अवसरों की जानकारी दी गई । विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी बैंकों के साथ ही वित्तीय संस्थाओं में कार्य अवसर व प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई । श्री अश्विन कौर ने विद्यार्थियों को बैंकिंग क्षेत्र के लिए स्वयं को तैयार करने हेतु महत्वपूर्ण टिप्स दिए वही श्री निरंजन मोहिते द्वारा आईसीआईसीआई बैंक से जुड़ने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया । आवेदन प्रक्रिया के पश्चात प्लेसमेंट पूरी की जा सकेगी । इस कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य श्री पीबी रेड्डी सहित महाविद्यालय में सभी फेकेल्टी सदस्य उपस्थित रहे । कार्यक्रम की संयोजक प्रो. पूजा शर्मा ने आभार व्यक्त किया

2. दिल्ली की एसएसएलएलसी संस्था के साथ मिलकर ऑनलाइन कैरियर गाइडेंस प्रोग्राम का आयोजन :–

दिनांक 1708.2021 को शासकीय महाविद्यालय नागदा में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन इकाई की तरफ से दिल्ली स्थित एसएसएलएलसी कॅरियर प्राइवेट लिमिटेड नामक संस्थान के साथ मिलकर ऑनलाइन गाइडेंस प्रोग्राम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को सरकारी सेवाओं में विभिन्न जॉब अवसरों की जानकारी दी गई। निजी क्षेत्र में विभिन्न सेवाओं में जाने के अवसर व प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई । मोटिवेशनल स्पीकर रीमा शाह द्वारा विद्यार्थियों के लिए प्रोत्साहन सत्र रखा गया वही करियर काउंसलर समीर शाह द्वारा विद्यार्थियों को स्नातक के बाद उपलब्ध कॅरियर अवसरों की जानकारी व इन क्षेत्रों के लिए स्वयं को तैयार करने हेतु महत्वपूर्ण टिप्स दिए तथा अंत में विद्यार्थियों की कॅरियर से जुड़ी शंकाओं का समाधान भी किया । इस कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीएम मेहता ने स्वागत उद्‌बोधन दिया । इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के फैकल्टी सदस्य उपस्थित भी रहे । प्रोफेसर प्रतिका खत्री ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम का संचालन प्रो . पूजा शर्मा ने किया

3. संविधान दिवस का आयोजन :–

शासकीय महाविद्यालय नागदा में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं राजनीति विज्ञान विभाग की तरफ से संविधान दिवस का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया । कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. वी. रेड्डी के द्वारा की गई महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ सी एम मेहता ने मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों को भारतीय संविधान व संविधानिक मूल्यों की जानकारी दी । कार्यक्रम के दौरान भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई । कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर पूजा शर्मा द्वारा किया गया । कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा डॉ केसी मिश्रा के नेतृत्व में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया । कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ वीणा पारीक, प्रो. उषा यादव, डॉ उषा वर्मा, डॉ. सविता मरमट,

डॉ.आशा राम चौहान, श्री अजय हाडा उपस्थित रहे । कार्यक्रम संचालक प्रोफेसर पूजा शर्मा ने बताया कि भारतीय संविधान एक जीवंत दस्तावेज है तथा विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत के लोकतांत्रिक जीवन का महत्वपूर्ण उपकरण रहा संविधान दिवस के पावन अवसर पर हमें संवैधानिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्धता प्रकट करते हुए इन्हें दैनिक जीवन में उतारने का संकल्प लेना चाहिए

4. व्यक्तित्व विकास सत्र का आयोजन :–

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन व व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ की तरफ से व्यक्तित्व विकास पर एक महत्वपूर्ण सत्र का आयोजन किया गया । इसमें विद्यार्थियों को विद्यार्थी जीवन में व्यक्तित्व का विकास (Personality Development) करने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीवी रेड्डी ने की । ग्रेसिम इंडस्ट्री के सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग के अधिकारी श्री अजय नागर ने मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी । उन्होंने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में सफल कैरियर व जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्तित्व महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यार्थियों को स्नातक शिक्षा के दौरान से ही लगातार अपने व्यक्तित्व को लगातार परिष्कृत करते रहने पर ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. पूजा शर्मा द्वारा किया गया । कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सीएम मेहता, डॉ. वीणा पारीक, प्रो उषा यादव व डॉ. उषा वर्मा, डॉ. सविता मरमट, डॉ. आशाराम चौहान, प्रो. सीएल डोडिया उपस्थित रहे । कार्यक्रम के अंत में डॉ . प्रतिका खत्री द्वारा सभी का धन्यवाद किया गया ।

5. इन्वेस्टर अवेयरनेस सेमिनार :–

शासकीय महाविद्यालय नागदा में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं वाणिज्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में इन्वेस्टर अवेयरनेस सेमिनार का आयोजन किया गया । इसमें विद्यार्थियों को भारतीय पूंजी बाजार के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ सीएम मेहता के द्वारा की गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री लखन डाबी (इन्वेस्टर सर्विस सेंटर इंदौर) ने की । उन्होंने विद्यार्थियों को निवेश के गोल्डन रूल्स तथा निवेश के प्रकार बताए । कार्यक्रम का संचालन स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो पूजा शर्मा ने किया अतिथि परिचय प्रोफेसर सी.एल. डोडिया ने दिया। विषय परिचय डॉ प्रतिका खत्री ने दिया एवं आभार डॉ उषा वर्मा ने किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भागीदारी की । कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ वीणा पारीक, श्री वासुदेव जटावन, डॉ. केसी मिश्रा, प्रो उषा यादव, डॉ. आशा राम चौहान, डॉ. सविता मरमट आदि उपस्थित रहे।

6. औद्योगिक भ्रमण संपन्न :–

शासकीय महाविद्यालय नागदा के स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा महाविद्यालय के छात्रों के लिए लेन्सेंक्स इंडस्ट्रीज में औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ . पी.बी रेड्डी के मार्गदर्शन में इस भ्रमण का आयोजन हुआ । कोरोना गाइडलाइन व सावधानियों के साथ पूर्वानुमति के बाद 20 विद्यार्थियों सहित तीन फैकल्टी मेंबर्स के द्वारा भ्रमण में भाग लिया गया । स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन इंडस्ट्रीज की टीम प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो पूजा शर्मा सहित डॉ . केसी मिश्रा व डॉ . सविता मरमट ने विद्यार्थियों का नेतृत्व किया । लेन्सेंक्स के द्वारा विद्यार्थियों को औद्योगिक उत्पादन की महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी गई । विद्यार्थियों को आत्मीय एवं सुरक्षित माहौल में सर्वप्रथम

प्रेजेंटेशन के माध्यम से विद्यार्थियों को बताया की उत्पादन कैसे होता है कपनी द्वारा किस प्रकार पर्यावरण के मानकों के अनुरुप विभिन्न जीवन उपयोगी केमिकल बनाए जाते हैं तथा किस प्रकार उनका विपणन किया जाता है कंपनी के श्री पिंटू दास (Head of site HR IR and Admin) श्री अभिषेक सिंह चौहान (E eicutive & HR) तथा श्री ललित झागरिया ने विद्यार्थियों को संबोधित किया तत्पश्चात विद्यार्थियों को कंपनी परिसर में घुमाकर विभिन्न इकाइयों द्वारा किए जा रहे उत्पादों के बारे में बताया गया । कच्चे माल की अवाप्ति से लेकर विभिन्न उपभोक्ता उत्पादों के निर्माण तक की संपूर्ण जानकारी विद्यार्थियों को मिली । महाविद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि संस्थान विद्यार्थियों को वोकेशनल शिक्षा व इंडस्ट्रीज की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करने के लिए लगातार ऐसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है । इस औद्योगिक भ्रमण में शामिल विद्यार्थियों में भी खासा उत्साह रहा । विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रक्रिया की व्यावहारिक जानकारी के साथ ही व्यक्तिगत स्तर पर किसी तरह के उद्यम को शुरू करने की प्रेरणा भी मिली ।

7. सफलता के सूत्र सत्र का आयोजन :–

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन व व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ की तरफ से सफलता के सूत्र महत्वपूर्ण सत्र का आयोजन किया गया इसमें विद्यार्थियों को विद्यार्थी जीवन में व्यक्तित्व का विकास (Personality Development) करने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पीवी रेड्डी ने की। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ . आशाराम चौहान ने विद्यार्थियों को सफलता के आवश्यक महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में सफल कैरियर बनाने व जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्तित्व महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है । विद्यार्थियों को स्नातक शिक्षा के दौरान से ही लगातार अपने व्यक्तित्व को लगातार परिष्कृत करते रहने पर ध्यान देना चाहिए । कार्यक्रम का संचालन प्रो पूजा शर्मा द्वारा किया गया । विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महाविद्यालय में लगातार ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है ।

8. शासकीय महाविद्यालय नागदा में डिजिटल शिष्टाचार सत्र का आयोजन :–

शासकीय महाविद्यालय नागदा के स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ व व्यवसायिक अध्ययन विषय व्यक्तित्व विभाग के संयुक्त तत्वाधान में डिजिटल शिष्टाचार विषय पर व्याख्यान का आयोजन रखा गया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी वी रेड्डी ने की कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ . सविता मरमट रही उन्होंने पीपीटी के माध्यम से डिजिटल गैज़ेट्स के उपयोग के बारे में बताया एवं इलेक्ट्रॉनिक गैज़ेट्स की योग्यताएं बताते हुए मोबाइल ऐप्स की विशेषताओं पर प्रकाश डाला । संचालन प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो पूजा शर्मा ने किया कार्यक्रम में प्रो. सी. एल. डोडिया, प्रो. अंजू ठाकुर उपस्थित रहे । आभार नरेश मीणा ने माना तथा विवेकानद समिति के सदस्य आशीष चौहान, रितिक, संदीप निंबोला, प्रेरणा, ईश्वर लाल, अजय चौहान, टीकम सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

9. व्यक्तित्व के निर्माण से ही सफल राष्ट्र का निर्माण संभव है मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के युवाओं की सर्जनशीलता क्षमताओं के संपूर्ण विकास को ध्यान में रखा है इस हेतु कर्मठ और गतिशील युवाओं की परिकल्पना साकार करने के लिए एवं छात्र शक्ति को विकसित करने के उद्देश्य से भारतीय संस्कृति और परंपरा की आधारशिला पर उनके व्यक्तित्व की संरचना हेतु व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ का गठन किया गया है । सत्र 2021 –22 के लिए प्रकोष्ठ द्वारा निर्धारित विषय पर महाविद्यालयीन इकाई द्वारा प्रतिमाह छात्र छात्राओं के लिए व्याख्यान आयोजित किए गए जिनमें स्थानीय विषय विशेषज्ञ और महाविद्यालयीन प्राध्यापकों के प्रेरक उद्‌बोधन रखे गए । माह – वार जानकारी निम्नानुसार है।

माह	विषय	मुख्य वक्ता
जुलाई 21	बैंकिंग क्षेत्र में करियर ऑनलाईन गाइडेंस प्रोग्राम	श्री अश्विन गौर व श्री निरंजन मोहिते (NIIT)
अगस्त 21	ऑनलाईन करियर गाईडेंस प्रोग्राम	श्रीमती रीमा शाह, श्री समीर शाह (SSLSC)
सितम्बर 21	निबंध लेखन विषय – आजादी का अमृत महोत्सव गांधी जी की दांडी यात्रा	
अम्टूबर 21	व्यक्तित्व विकास विषय पर व्याख्यान	श्री अजय नागर
नवम्बर 21	संविधान दिवस कार्यक्रम	डॉ.सी.एम. मेहता
दिसम्बर 21	इनवेस्टर अवेयरनेस सेमिनार	श्री लखन डाबी
जनवरी 22	औद्योगिक भ्रमण संपन्न (Lanxess india industry) में	-
फरवरी 22	डिजिटल शिष्टाचार सत्र	डॉ. सविता मरमट
मार्च 22	समय एवं तनाव मैनेजमेंट	डॉ. सी. एम. मेहता

" विश्वविद्यालय महापुरूषों
के निर्माण के कारखाने हैं
ओर अध्यापक
उन्हें बनाने वाले
कारीगर है।"

– रविन्द्रनाथ टैगोर

सांस्कृतिक एवं युवा उत्सव प्रतिवेदन (2021–22)

श्रीमति उषा यादव
सहा. प्राध्यापक
समाजशास्त्र

युवा शब्द से ही उत्साह स्फुर्ति सक्रियता आदि गुणों का बोध होता है युवा होने की परिपूर्णता उसमें है जिसमें अविराम संघर्ष करने का जज्बा , जिसमें हर पल जीवन में कुछ नवीन करने की उमंग हो इसी उद्देश्य की प्राप्ति हेतु प्रतिवर्ष हमारे महाविद्यालय में युवा उत्सव का आयोजन किया जाता है । सत्र 2021–22 में युवा उत्सव के अंतर्गत विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया इसी श्रंखला में महाविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में पर्यावरण संरक्षण की थीम निर्धारित की गई जिसमें प्रेरणा नंगवाडेकर ने प्रथम, विनीता वर्मा ने द्वितीय एवं अमन वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । मेहंदी प्रतियोगिता प्रेरणा जाटवा ने प्रथम, अनुप्रिया राठौर ने द्वितीय एवं गुंजेशरी राणावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । रंगोली प्रतियोगिता स्वच्छ भारत थीम पर रखी गई थी जिसमें प्रेरणा नंगवाडेकर ने प्रथम अंजलि जायसवाल द्वितीय तथा विनीता वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । वाद–विवाद स्पर्धा में देवेंद्र मीणा ने पक्ष तथा लक्ष्मी मीणा ने विपक्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया । शास्त्रीय वादन में धनंजय शेरे ने प्रथम, स्थान प्राप्त किया एकल गायन में मोहिनी शेखावत ने प्रथम, चंचल पांचाल ने द्वितीय तथा धारा परिहार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । सभी चयनित विद्यार्थियों ने जिला स्तर की प्रतियोगिता में सहभागिता कर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया ।

क्रीड़ा विभाग प्रतिवेदन
(2021–2022)

खेलेगा इंडिया तभी तो बढ़ेगा इंडिया

डॉ कृष्ण पाल सिह नरुका
क्रीडा अधिकारी

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में खेल के साथ शिक्षा को बराबर रखा गया है । इसमें योग और शारीरिक शिक्षा को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। खेलों से विद्यार्थी का शारीरिक विकास संज्ञानात्मक विकास, संवेगात्मक विकास, सामाजिक विकास एवं नैतिक विकास को बढ़ावा मिलता है।

महाविद्यालय द्वारा 2021–22 के खेल गतिविधियों में सहभागिता

महाविद्यालय के विद्यार्थीयों ने सत्र 2021–22 के खेल गतिविधियों में 8 विधाओं में भाग लिया। जिसमे वालीबॉल (पु) कबड्डी (पु) कबड्डी (म) फुटबाल (पु.) क्रिकेट (पु) ऐथलेटिक्स (पु/म) चेस (म) एवं कास कंट्री (पु) प्रतियोगिता में भाग लिया ।

जिला स्तरीय वालीबॉल (पु) प्रतियोगिता शा. महाविद्यालय, बड़नगर द्वारा आयोजित की गई जिसमे महाविद्यालय से आकाश विश्वकर्मा द्वारा सहभागिता की गई। जिसका चयन संभाग स्तरीय वालीबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ। जो बी के एस. एन. महाविद्यालय शाजापुर में सपन्न हुई।

जिला स्तरीय कबडडी (पु) प्रतियोगिता नवसवत महाविद्यालय, उज्जैन द्वारा आयोजित की गई। जिसमें महाविद्यालय दल के 9 खिलाड़ियों ने सहभागिता की। जिला स्तरीय कबड्डी (म) प्रतियोगिता शेषशायी महाविद्यालय नागदा द्वारा आयोजित की गई। जिसमें महाविद्यालय दल से नेहा परिहार द्वारा सहभागिता की गई। जिसका चयन संभाग स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए हुआ । संभाग स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता नवसंवत महाविद्यालय, उज्जैन मे सम्पन्न हुई । इसके पश्चात नेहा परिहार का चयन विक्रम विश्वविद्यालय के दल में हुआ । जिसमे नेहा परिहार ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विक्रम विश्वविद्यालय दल का प्रतिनिधित्व कर महाविद्यालय को गोरान्वित किया ।

जिला स्तरीय फुटबाल (पु) प्रतियोगिता एडवास महाविद्यालय , उज्जैन द्वारा आयोजित की गई जिसमे महाविद्यालय दल के 1 खिलाड़ी द्वारा सहभागिता की गई । जिला स्तरीय क्रिकेट (पु) प्रतियोगिता एडवांस महाविद्यालय उज्जैन द्वारा आयोजित की गई जिसमे महाविद्यालय दल के 12 खिलाड़ियों ने सहभागिता की । सभाग स्तरीय ऐथलेटिक्स (पु/म) प्रतियोगिता श्री राज राजेन्द्र जयत सेन सुरी महाविद्यालय उज्जैन द्वारा आयोजित की गई । जिसमें महाविद्यालय के 4 पुरुष एव 4 महिला खिलाड़ी ने भाग लिया। जिला स्तरीय चेस (म) प्रतियोगिता शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन द्वारा आयोजित की गई जिसमें महाविद्यालय दल से गीतांजली डोडिया द्वारा सहभागिता कर प्रथम स्थान प्राप्त किया गया । इसके बाद गीतांजली डोडिया का चयन उज्जैन जिले के दल में हुआ जिसका संभाग मंदसौर पी जी महाविद्यालय हुआ । वहा से गीतांजली डोडिया का चयन विकम विश्वविद्यालय के महिला चेस दल में हुआ । जिसमे गीतांजली डोडिया ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विक्रम विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर महाविद्यालय को गौरान्वित किया ।

संभाग स्तरीय क्रास – कँट्री (पु) प्रतियोगिता श्री राज राजेन्द्र जयत सेन सुरी महाविद्यालय, उज्जैन द्वारा आयोजित की गई । जिसमें महाविद्यालय से 1 खिलाड़ी ने सहभागिता की । इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए शिक्षक कर्मचारी स्पर्धा में प्राचार्य पी.बी. रेड्डी ने बेडमिटन एव लॉन टेनिस में जिला संभाग, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विजेता होकर महाविद्यालय एवं विक्रम विश्वविद्यालय का परचम लहराया ।

महाविद्यालय में खेल मैदान के लिए प्राचार्य डॉ पी बी रेड्डी द्वारा जनसहयोग एव महाविद्यालय के सहयोग से खेल मैदान को नया स्वरुप दिया गया जिसमें खिलाडी अब प्रतिदिन अभ्यास कर रहे है । जिससे आने वाले सत्र में महाविद्यालय का नाम सभी खेलों में रोशन हो सकेगा ।

"खेल से भी युवाओं को आस है। इसमें भी अब उनको करियर की तलाश है।"

ग्रन्थालय प्रतिवेदन
(2021–2022)

वासुदेव जटावन
ग्रन्थपाल

ग्रन्थालय विद्यार्थियों के हित एवं सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए साधन/संसाधनों में निरन्तर वृद्धि कर रहा है। वर्तमान में ग्रन्थालय में 16,000 से अधिक पुस्तकों का संग्रह है। जिसमें पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ पुस्तकें, कोश, विश्वकोश, नाटक, कहानी, कविता, उपन्यास आदि पुस्तकें उपलब्ध है। वाचनालय में भी दैनिक समाचार पत्र, पत्रिका, आदि मँगाये जाते है। विभिन्न विषयों के जर्नल्स भी मँगाये जा रहे है। अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को भी शासन की योजनाअनुसार निःशुल्क पुस्तकें स्टेशनरी प्रदाय की जाती है। पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों एवं पाठ्यक्रम के सेट भी ग्रंथालय में उपलब्ध है। निकट भविष्य में शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता अनुसार ई–ग्रन्थालय सेवा प्रदान की जावेगी।

अनुसूचित जाति/जनजाति विशेषांश योजना अन्तर्गत सत्र 2017–18 सत्र 2021–22 तक पुस्तक/स्टेशनरी मय वितरण व लाभांवित विद्यार्थियों की जानकारी निम्नानुसार है :–

सत्र	अनुसूचित जाति योजना			अनुसूचित जनजाति योजना		
	पुस्तक	स्टेशनरी	लाभान्वित विद्यार्थी	पुस्तक	स्टेशनरी	लाभान्वित विद्यार्थी
2017–18	164498/–	74928/–	150	7578/–	4995/–	10
2018–19	136399/–	142290/–	242	5595/–	12491/–	25
2019–20	121494/–	124970/–	250	5454/–	–	10
2020–21	–	–	207	–	–	10
2021–22	268323/–	–	115	25246/–	–	29

छात्रों को चाहिए की हमेशा अपने से बड़ों का आदर करें,
तभी उनके द्वारा ग्रहण की जा रही शिक्षा का कोई अर्थ निकलता है।

एन.सी.सी. प्रतिवेदन
(2021–2022)

लेफ्टिनेंट डॉ. के.सी. मिश्रा
सहायक प्राध्यापक भौतिकशास्त्र एवं ए.एन.ओ.

वर्तमान में महाविद्यालय में एन.सी.सी के ट्रूप में 53 कैडेट्स हैं, जिनमें से 33SD (बॉयस) एवं 20 SW (गर्ल्स) कैडेट्स हैं। 21 MP बटालियन एन.सी.सी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल एच. पी.एस. अहलावत के निर्देशानुसार एवं महाविद्यालय के ए.एन.ओ.लेफ्टिनेंट डॉ के. सी. मिश्रा के मार्गदर्शन में कैडेट्स पूरे वर्ष भर विभिन्न प्रकार के सामाजिक एवं कौशल सम्बन्धी गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं। बटालियन की ओर से कैडेट्स को सम्पूर्ण यूनिफार्म एवं मेंटेनेंस एवं यूनिफार्म धुलाई भत्ता प्रर्दान किया जाता है। प्रत्येक सप्ताह के प्रथम तीन दिन बटालियन से ट्रेनिंग उस्ताद महाविद्यालय आकर कैडेट्स को ट्रेनिंग देते है। एन.सी.सी कोर्स के दौरान कैडेट्स विभिन्न प्रकार के कैंम्प, आमी अटैचमेंट कैंम्प, एनुअल ट्रेंनिंग कैंम्प, एक भारत श्रेष्ठ भारत कैंम्प, RDC, YEP कैंम्प एवं एडवेंचर कैंम्प 10 से 12 दिन तक का अटेंड करते है।

शैक्षणिक सत्र के अन्त में बी एवं सी सर्टिफिकेट के लिए परीक्षा होती है सी सर्टिफिकेट को प्राप्त कर लेने के बार्द एन.सी.सी कैडेट्स को भारतीय सेना में लिखित परीक्षा में छूट मिलती है और कैडेट्स सीधे इन्टरव्यु में शामिल हो सकते है। प्रत्येक वर्ष भारतीय सेना में एन.सी.सी सी सर्टिफिकेट धारकों के लिए एन.सी.सी स्पेशल एंट्री स्कीम 53 के तहत भारतीय सेना में आफिसर बनने का मौका मिलता है । शैक्षणिक सत्र 2021–22 में COVID &19 के चलते कॉलेज में ही 10 –10 दिवसीय ATC camp द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के कैडेट्स के लिए दिसम्बर–जनवरी माह मे चलाये गए । 26 जनवरी 2022 को कैडेट्स ने परेड के दौरान विभिन्न प्रकार की साहकसिक एवं ड्रिल इत्यादि गतिविधियों का प्रदर्शन किया जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.पी. भास्कर रेड्डी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रहे ।

उठो जागो और तब तक मत रूको
जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो
– स्वामी विवेकानन्द

समाचार पत्रों झरोखे से वर्ष 2021-22

ग्रेसिम सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग के सहायक महाप्रबंधक ने कहा

समाज में विचारों का प्रदूषण, इसे खत्म के लिए हमें सकारात्मक रुख अपनाना होगा

नागदा @ पत्रिका. प्राकृतिक प्रदूषण से ज्यादा समाज को विचारों के प्रदूषण से खतरा है। प्राकृतिक पर्यावरण प्रदूषण की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार प्रयास कर रही है। परंतु समाज जिन विचारों के प्रदूषण के खतरों को झेल रहा है उसे दूर करने के लिए युवा पीढ़ी को अपना नजरिया व विचारों में सकारात्मकता अपनाना होगी। क्योंकि व्यक्ति समाज के संपर्क में आकर ही सामाजिक प्राणी बनता है।

यह बात शासकीय कला विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय नागदा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित सात दिनी विशेष शिविर के छठे दिन मुख्य वक्ता ग्रेसिम सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग के सहायक महाप्रबंधक अजय नागर ने कही। उन्होंने कहा मनुष्य का अपने सामाजिक पर्यावरण से जन्म जन्मांतर का नाता है। मगर वर्तमान में समाज में जिस तरह के नकारात्मक, निराशाजनक परिवर्तन हो रहे हैं। वह चिंता का विषय है। हमें राष्ट्र के भविष्य निर्माताओं को इन्हीं निराशा के भाव को दूर कर समाज को एक नई दिशा की ओर अग्रसर करने की जरुरत है। छठे दिन की गतिविधि के तहत कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर उषा यादव, क्रीडा अधिकारी डॉ. केपी नरुका के नेतृत्व में स्वयं सेवकों ने मतदाता जागरुकता रैली निकाली। इस अवसर पर जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 150 ग्रामीणों के सैंपल लिए गए।

सात दिनी विशेष शिविर के चौथे दिन हुई गतिविधियां

वर्मी कंपोस्ट का डेमो, विषैले व अविषैले जानवरों और कीड़ों में अंतर बताया

नागदा @ पत्रिका. शासकीय कलां विज्ञान व वाणिज्य कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में ग्राम बनबनी में सात दिनी विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में चौथे दिन सोमवार को भी विभिन्न गतिविधियां हुई। इसके तहत हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। जिसमें गांव की महिलाओं को हस्ताक्षर करना सिखाएं गए। इस दौरान स्वच्छता अभियान चलाकर स्कूल परिसर के बाहर नालियों की सफाई की गई। बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि रहे ग्रेसिम सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग के डीजीएम जीवन पोरवाल ने वर्मी कंपोस्ट का डेमो दिया व पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. भास्कर पी. रेड्डी ने विषैले व अविषैले जानवर व कीड़ों में अंतर बताया व इनके काटने पर उपचार की जानकारी दी। विशेष अतिथि कॉलेज के भूतपूर्व छात्र व स्वयंसेवक विनय परिहार ने राज्य स्तरीय कैंप के अनुभव साझा किए। इस अवसर गांव में स्वच्छता रैली निकालकर व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जागरुक भी किया गया। कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर उषा यादव ने स्वच्छता की शपथ दिलाई। संचालन देवेंद्र मीणा, पायल डामोर ने किया। आभार विनय खरे ने माना।

सफाई अभियान चलाते हुए।

वृद्धा को हस्ताक्षर करना सिखाया।

दैनिक भास्कर

विद्यार्थियों को दी संवैधानिक मूल्यों की जानकारियां

शासकीय महाविद्यालय में मनाया संविधान दिवस

भास्कर संवाददाता | नागदा

शासकीय महाविद्यालय नागदा में राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से संविधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. भास्कर पी. रेड्डी ने की। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सीएम मेहता ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए विद्यार्थियों को भारतीय संविधान व संवैधानिक मूल्यों की जानकारी दी। इस दौरान भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा डॉ. केसी मिश्रा के नेतृत्व में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण एवं विद्यार्थी।

कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. वीणा पारीक, प्रो. उषा यादव, डॉ. उषा वर्मा, डॉ. सविता मरमट, डॉ. आशा राम चौहान, अजय हाड़ा उपस्थित थे। कार्यक्रम संचालक प्रो. शर्मा ने बताया भारतीय संविधान एक जीवंत दस्तावेज है और विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत के लोकतांत्रिक जीवन का महत्वपूर्ण उपकरण रहा है। संविधान दिवस के अवसर पर हमें संवैधानिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्धता प्रकट करते हुए इन्हें दैनिक जीवन में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। संचालन प्रो. शर्मा ने किया।

माकड़ौन में भी मनाया संविधान दिवस

माकड़ौन | शासकीय रवींद्र उमावि माकड़ौन की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं छात्रों द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर विद्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें स्वयंसेवकों एवं विद्यालय के शिक्षकों द्वारा भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकार एवं भारतीय संविधान की धाराओं के बारे में विस्तृत जानकारी छात्रों एवं स्वयंसेवकों को दी गई। कार्यशाला की शुरुआत वरिष्ठ शिक्षक जगदीश कारपेंटर, मनोहर नागर, रविंद्र गामी, कैलाश गामी द्वारा पूजा अर्चन कर की गई। सर्वप्रथम कार्यक्रम की रूपरेखा मनोहर नागर ने प्रस्तुत की। संस्था के शिक्षक रवींद्र गामी ने भारतीय संविधान पर विस्तृत प्रकाश डाला। संचालन संदीप सारवान ने कयिा। आभार सुरेश बड़गुजर ने माना।

दै भास्कर 13-1-2021

युवा दिवस पर आयोजित की विद्यार्थियों और प्राध्यापकों की विचार गोष्ठी

नागदा | स्वामी विवेकानंद शासकीय कॉलेज में मंगलवार को युवा दिवस पर प्राध्यापकों और विद्यार्थियों की विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का विषय स्वामी विवेकानंदजी का जीवन व आज का युवा रहा। अध्यक्षता कर प्रभारी प्राचार्य डॉ. राकेश परमार ने विद्यार्थियों से स्वामी विवेकानंदजी के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा आज के युवाओं के हर प्रश्न का उत्तर स्वामी विवेकानंदजी के जीवन दर्शन से मिल सकता है। विशिष्ट अतिथि प्रशासनिक अधिकारी डॉ. सीमा झेरवार रहीं। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सीएम मेहता, डॉ. केसी मिश्रा, राजकुमार दुबे ने भी अपने विचार रखे। संचालन डॉ. प्रतिका खत्री ने किया। आभार कार्यक्रम संयोजक डॉ. केके कुंभकार ने माना।

कार्यक्रम में भारतीय संविधान और इसके मूल्य बताए

नागदा. संविदान दिवस पर शुक्रवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वामी विवेकानंद शासकीय कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. पीवी रेड्डी ने की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता रहे कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सीएम मेहता ने विद्यार्थियों को भारतीय संविधान व संविधानिक मूल्यों की जानकारी दी। इस दौरान संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने डॉ. केसी मिश्रा के नेतृत्व में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. वीणा पारीक, डॉ. उषा यादव, डॉ. उषा वर्मा , डॉ. सविता मरमट, डॉ. आशाराम चौहान, अजय हाडा मौजूद थे। संचालन डॉ. पूजा शर्मा ने किया।

पत्रिका

शहीद दिवस पर प्लास्टिक एक धीमा जहर पर जागरुकता अभियान चलाया

नागदा @ पत्रिका. शहीद दिवस पर बुधवार को शासकीय कलां विज्ञान व वाणिज्य कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कॉलेज के 21 एमपी बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में प्लास्टिक एक धीमा जहर विषय पर जागरुकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर शहर में एनसीसी कैडेट्स की रैली भी निकली। दीनदयाल चौक से रैली शुरू हुई, जो बस स्टैंड पहुंची। एनसीसी के कमांडिंग अधिकारी कर्नल पीएस अहलावत, कॉलेज प्राचार्य डॉ. भास्कर पी. रेड्डी के निर्देशानुसार एनसीसी अधिकारी डॉ. केसी मिश्रा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम हुआ। पत्रिका - 24 3/22

ग्रेसिम के सहयोग से कॉलेज में एनसीसी व रासेयो विद्यार्थियों ने लगाए 125 पौधे

नागदा | शासकीय कला विज्ञान एवं वाणिज्य कॉलेज में ग्रेसिम सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग, एनसीसी, रासेयो के तत्वाधान में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रेसिम सीएसआर हेड सतीश भूवीर, जीवन पोरवाल, अरविंद सिंह सिकरवार, हर्षवर्धन सिंह पंवार ने विद्यार्थियों के साथ कॉलेज परिसर में पौधारोपण किया गया। प्राचार्य डॉ पीबी रेड्डी ने विद्यार्थियों को बताया कि पेड़ मानव की अनेक त्रासदियों से रक्षा कर सकते हैं। प्राकृतिक आपदाओं को कम कर सकते हैं। विलुप्त होते जीव जंतु व पादपों की प्रजातियों की रक्षा कर सकते हैं। जलवायु व भूमि को प्रदूषित होने से बचा सकते हैं, इसीलिए हर विद्यार्थी को एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए। सीएसआर हेड भूवीर कहा कि हम प्रौद्योगिकी के इतने आदी हो गए हैं कि अपने पर्यावरण पर होने वाले हानिकारक प्रभाव की अनदेखी करते हैं। ना केवल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल प्रकृति को नष्ट कर रहा है, बल्कि यह हमें उनसे अलग भी कर रहा है। हम वास्तव में जीवित रहना चाहते हैं तो अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए। कार्यक्रम में 125 पौधे लगाए गए। इस मौके पर डॉ. वीणा पारीक, वासुदेव जटावन, डॉ सीमा झेरवार, एनसीसी अधिकारी डॉ केसी मिश्रा, रासेयो अधिकारी डॉ उषा वर्मा, डॉ सविता मरमट, डॉ रचना खंडेलवाल, डॉ आसाराम चौहान, सीएल डोडिया आदि मौजूद थे।

समाचार पत्रों के झरोखे से - वर्ष 2021-2022

करियर मार्गदर्शन शिविर में गोल्डन रूल्स निवेश के प्रकार बताएं

नागदा @ पत्रिका. शनिवार को इन्वेस्टर अवेयरनेस सेमिनार का आयोजन किया गया। स्वामी विवेकानंद शासकीय कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में छात्र छात्राओं को गोल्डन रूल्स व निवेश के तरीके बताए गए। आयोजन स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं वाणिज्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज का प्रभारी प्राचार्य डॉ. सीएम मेहता ने की। मुख्य वक्ता इन्वेस्टर सर्विस सेंटर इंदौर के लखन डाबी ने छात्र-छात्राओं को निवेश के गोल्डन रूल्स तथा निवेश के प्रकार बताएं। अतिथि परिचय सीएल डोडिया ने दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. वीणा पारीक, वासुदेव जटावन, डॉ.केसी मिश्रा, प्रो.उषा यादव, डॉ.आशा राम चौहान, डॉ. सविता मरमट मौजूद रहे। संचालन प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. पूजा शर्मा ने किया।

विशेष शिविर का तीसरा दिन

नुक्कड़ नाटक से कोरोना के प्रति जागरुकता फैलाई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नागदा. शासकीय कला विज्ञान, वाणिज्य महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में ग्राम बनबनी में चल रहे विशेष शिविर के तीसरे दिन भी विभिन्न गतिविधियां हुई। इस अवसर पर जनसंपर्क के माध्यम से ग्रामीणों की समस्या को समझा गया व यथासंभव समझाया भी गया। बौद्धिक सत्र में मुख्य वक्ता शासकीय कॉलेज के एनसीसी अधिकारी डॉ. केसी मिश्रा ने स्वयं सेवकों की आर्म्ड फोस, आर्म्ड पुलिस फोर्स और इसके अंतर्गत आने वाले विभिन्न विभागों की जानकारी दी। साथ ही यह भी बताया कि किन विभागों में भर्ती के लिए दी वाली परीक्षाओं के बारे में परिचय और साक्षात्कार कैसे लिया जाता है। इस दौरान ग्रामीणों को कोरोना के प्रति जागरुक भी किया। संचालन स्वयंसेवक लक्ष्मी मीणा ने किया। आभार योगेंद्रसिंह पंवार ने माना।

सामाजिक बुराईयों को खत्म करना है तो इनके प्रति जागरुक होना होगा

नागदा @ पत्रिका. शासकीय कला विज्ञान व वाणिज्य कॉलेज नागदा की राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के पांचवे दिन मंगलवार को श्रमदान किया गया। इस अवसर पर स्वयं सेवकों ने शासकीय स्कूल परिसर में पौधारोपण किया। बौद्धिक सत्र में शामिल हुई मुख्य वक्ता कॉलेज की प्रोफेसर पूजा शर्मा ने देश की उन्नति व प्रगति में बाधा उत्पन्न होने का कारण सामाजिक बुराईयां बताई। उन्होंने कहा-. बाल विवाह, दहेज प्रथा, समाज में महिलाओं की स्थिति, राजनीतिक अपराध, बेरोजगारी के प्रति जागरुक होना जरुरी है, तभी वे इन समस्याओं का समाधान कर पाएंगे। बौद्धिक सत्र में तत्कालिक भाषण प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। जिसमें शिविरार्थियों ने अलग-अलग विषयों पर अपने विचार रखें। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. भास्कर पी. रेड्डी ने की। संचालन नरेश मीणा, सुहाना पंवार ने किया। आभार प्रहलाद परमार ने माना।

स्वदेश
अखबार भी - विचार भी

Shajapur Edition | 2022-01-13 | Page- 2
epaper.indoreswadesh.com

शासकीय महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा औद्योगिक भ्रमण

नागदा जं. ● शासकीय महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा महाविद्यालय के छात्रों के लिए प्राचार्य डॉ. पीबी रेड्डी के मार्गदर्शन में लैंक्सेंस इंडस्ट्रीज में औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। कोरोना गाईडलाइन के अनुसार 20 विद्यार्थियों, फैकल्टी मेंबर्स प्रकोष्ठ प्रभारी प्रोफेसर पूजा शर्मा डॉ. केसी मिश्रा, डॉ सविता मरमट भ्रमण में शामिल हुए। टीम के द्वारा विद्यार्थियों को औद्योगिक उत्पादन की महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी गई। कच्चे माल की अवाप्ति से लेकर विभिन्न उपभोक्ता उत्पादों के निर्माण तक की संपूर्ण जानकारी विद्यार्थियों को मिली। प्राचार्य ने बताया कि संस्थान विद्यार्थियों को वोकेशनल शिक्षा व इंडस्ट्रीज की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करने के लिए लगातार ऐसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है। विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रक्रिया की व्यावहारिक जानकारी के साथ ही व्यक्तिगत स्तर पर किसी तरह के उद्यम को शुरू करने की प्रेरणा भी मिली।

सफल इंसान बनने के लिए आपका व्यक्तित्व महत्वपूर्ण

कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी व अतिथि।

नागदा. जीवन में सफल इंसान बनने के लिए आपका व्यक्ति महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। छात्र-छात्राओं को स्नातक शिक्षा के दौरान अपने व्यक्तित्व को लगातार परिष्कृत करते रहने पर ध्यान देना चाहिए। यह बात बुधवार को स्वामी विवेकानंद शासकीय कॉलेज में आयोजित व्यक्तिव विकास पर सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता ग्रेसिम के सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग के अधिकारी अजय नागर ने कही। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. भास्कर पी. रेड्डी ने की। कार्यक्रम में प्राध्यापक डॉ. सीएम मेहता, डॉ. वीणा पारिक, उषा यादव, डॉ. उषा वर्मा, डॉ. सविता मरमट, डॉ. आशाराम चौहान, सीएल डोडिया मौजूद थे। संचालन प्रोफेसर पूजा शर्मा ने किया। आभार डॉ. प्रतीका खत्री ने माना।

13/08/2022 08:2

त्रासदियों से मानव की रक्षा करते हैं वृक्ष : डॉ. रेड्डी

नागदा (निप्र)। शासकीय कला विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन ग्रेसिम सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग नागदा एवं एनसीसी, रासेयों के तत्वाधान में किया गया।

इस अवसर पर ग्रेसिम परिवार से ग्रेसिम सीएसआर हेड सतीश भूवीर, जीवन पोरवाल अरविंद सिंह सिकरवार तथा हर्षवर्धन सिंह पवार ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया। डॉ रेड्डी ने विद्यार्थियों को बताया कि वृक्ष मानव की अनेक त्रासदीयों से रक्षा कर सकते हैं, प्राकृतिक आपदाओं को कम कर सकते हैं,विलुप्त होते जीव जंतु व पादपो की प्रजातियों की रक्षा कर सकते हैं और जलवायु एवं भूमि को प्रदूषित होने से बचा सकते हैं इसीलिए हर विद्यार्थी को

एक वृक्ष जरूर लगाना चाहिए।

इसी अवसर पर सीएसआर हेड सतीश भूवीर ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम प्रौद्योगिकी के इतने आदी हो गए हैं कि हम अपने पर्यावरण पर होने वाले हानिकारक प्रभाव की अनदेखी करते हैं। इस आयोजन में ग्रेसिम परिवार का विशेष योगदान रहा उनके सहयोग से 125 पौधे प्राप्त हुए। इस अवसर पर महाविद्यालय के वीणा पारीक, वासुदेव जटा वन, डॉ सीमा झेरवार,एनसीसी अधिकारी डॉक्टर केसी मिश्रा,रासेयों अधिकारी डॉ उषा वर्मा, डॉ सविता मरमट,डॉ रचना खंडेलवाल, डॉ आसाराम चौहान तथा सीएल डोडिया और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

महाविद्यालय परिवार

1.	डॉ.पी.बी. रेड्डी	प्राचार्य
2.	डॉ. सी.एम. मेहता	प्राध्यापक वाणिज्य
3.	डॉ. सीमा झेरवार	प्राध्यापक इतिहास
4.	श्री वासुदेव जटावन	ग्रन्थपाल
5.	डॉ. वीणा पारीक	सहा. प्राध्यापक रसायन शास्त्र
6.	डॉ. सुनील कुमार प्रसाद	सहा. प्राध्यापक गणित
7.	प्रो. श्रीमती ऊषा यादव	सहा. प्राध्यापक समाजशास्त्र
8.	प्रो. पूजा शर्मा	सहा. प्राध्यापक राजनीतिशास्त्र
9.	डॉ. कृष्णचंद्र मिश्रा	सहा. प्राध्यापक भौतिकशास्त्र
10.	डॉ. प्रतिका खत्री	अतिथि विद्वान वाणिज्य
11.	प्रो. सी.एल. डोडिया	अतिथि विद्वान वाणिज्य
12.	डॉ. आशाराम चौहान	अतिथि विद्वान अर्थशास्त्र
13.	डॉ. उषा वर्मा	अतिथि विद्वान हिन्दी
14.	डॉ. सविता मरमट	अतिथि विद्वान प्राणिशास्त्र
15.	डॉ. कृष्णपालसिंह नरूका	अतिथि विद्वान क्रीड़ा अधिकारी
16.	डॉ. रचना खण्डेलवाल	अतिथि विद्वान गणित
17.	डॉ. अमिता श्रीवास्तव	अतिथ विद्वान वनस्पति शास्त्र
18.	सुश्री अंजू ठाकुर	अतिथि विद्वान कम्प्यूटर विज्ञान (ज.भा.स.)

कार्यालय स्टाफ :–

19.	श्री हरचरणसिंह चावला	सहायक ग्रेड–2
20.	श्री अनुराग मनोहर	सहायक ग्रेड–3
21.	श्रीमती संतोष राठौर	सहायक ग्रेड–3
22.	श्री अशोक शर्मा	प्रयोगशाला तकनीशियन
23.	श्री प्रथम मिश्रा	प्रयोगशाला तकनीशियन कम्प्यूटर विज्ञान (ज.भा.स.)
24.	श्री गोपाल कन्डारे	प्रयोगशाला परिचारक
25.	श्री रामप्रताप वीर	भृत्य
26.	श्री मुश्फिक खान	भृत्य
27.	श्री आत्माराम निम्बोला	चौकीदार (कान्टीजैंसी)
28.	श्री योगेश करोतिया	स्वीपर (कान्टीजैंसी)
29.	श्री महेश निम्बोला	प्रयोगशाला परिचारक कम्प्यूटर विज्ञान (ज.भा.स.)

कृतज्ञता

यह उन सभी महानुभावों के लिए साधुवाद है, कृतज्ञता है जिनके सहयोग से यह प्रकाशन सम्भव हुआ। मैं कृतज्ञता प्रकट करता हूँ :–

- शुभकामना संदेश के रूप में राजनीतिज्ञों, शिक्षाविदों एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा प्राप्त आर्शीवचनों के प्रति।
- प्राचार्य एवं पत्रिका के संरक्षक डॉ.पी.बी. रेड्डी का जिनका सदैव मार्गदर्शन एवं अविस्मरणीय योगदान हमें प्राप्त हुआ।
- हमारे मार्गदर्शक तथा महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक (वाणिज्य) डॉ.सी.एम. मेहता का जिन्होंने पत्रिका प्रकाशन में जहाँ–जहाँ आवश्यकता हुई सहयोग प्रदान किया।
- सह सम्पादक डॉ. सीमा झेरवार एवं सदस्य डॉ. आशाराम चौहान का जिन्होंने पत्रिका को मूर्तरूप प्रदान करने में उल्लेखनीय सहयोग प्रदान किया।
- समस्त प्राध्यापक साथियों एवं कार्यालयीन कर्मचारियों का जिन्होंने समय–समय पर अपने अमूल्य सुझाव एवं सहयोग प्रदान किया।
- महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं का जिन्होंने अपनी रचना धर्मिता का परिचय दिया।
- पत्रिका के मुद्रक विनायक प्रिन्टर्स एण्ड ग्राफिक्स नागदा के श्री विजय कुमार सोनी और उनके सहभागियों का जिससे पत्रिका यथा समय प्रकाशित हो सकी।
- त्रुटियों के लिए क्षमा याचना सहित आपकी रचनात्मक प्रतिक्रिया निवेदित है।

वासुदेव जटावन
सम्पादक

सत्र 2021–22 की महाविद्यालयीन वार्षिक पत्रिका **''सृजन''** में प्रकाशित रचना सामग्री की मौलिकता के प्रति महाविद्यालय तथा सम्पादक मण्डल किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं है ।

डॉ. पी.बी. रेड्डी
प्राचार्य एवं पत्रिका संरक्षक

LANXESS
शासकीय कला विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय
नागदा, जिला उज्जैन (म.प्र.)
-आत्मीय -अभिनन्दन
वाणिज्य विभाग

राष्ट्रीय सेवा योजना

शौक्षणिक भ्रमण
दिनांक-16/03/2022

शासकीय कला विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय

नागदा, जिला–उज्जैन (म.प्र.)